वर्ष 24, अंक 267, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 4 अप्रैल 2025 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

मोदी मोदी के नारों से गूँज उठा बैंकॉक का आसमान

बुद्ध भूमि भारत की ओर से इसे हाथ जोड़ कर स्वीकारा

थाइलैंड के पीएम ने किया त्रिपिटक भेंट

थाइलैंड

सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कूटनीति के एक महत्वपूर्ण क्षण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थाई प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा द्वारा द वर्ल्ड टिपिटकाः सज्जया फोनेटिक एडिशन भेंट किया गया। टिपिटका (पाली में) या त्रिपिटक (संस्कृत में) भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का एक प्रतिष्ठित संकलन है, जिसमें 108 खंड शामिल हैं और इसे प्रमुख बौद्ध धर्मग्रंथ माना जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बैंकॉक के गवर्नमेंट हाउस में थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा ने स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी और थाईलैंड के प्रधानमंत्री शिनावात्रा की मौजूदगी में भारत और थाईलैंड ने सहमति पत्रों का आदान-प्रदान भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर आज थाईलैंड पहुंचे। उनके आगमन पर, उप प्रधानमंत्री और परिवहन मंत्री सूर्या जुंगरुंगरेंगकिट ने मोदी का स्वागत किया।

सांस्कृतिक और आध्यात्मिक कूटनीति के एक महत्वपूर्ण क्षण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को थाई प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा द्वारा द वर्ल्ड टिपिटकाः सज्जया फोनेटिक एडिशन भेंट किया गया। टिपिटका (पाली में) या त्रिपिटक (संस्कृत में) भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का एक प्रतिष्ठित संकलन है, जिसमें 108 खंड शामिल हैं और इसे प्रमुख बौद्ध धर्मग्रंथ माना जाता है। पीएम मोदी को भेंट किया गया संस्करण पाली और थाई लिपियों में लिखा गया एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया संस्करण है, जो नौ मिलियन से अधिक अक्षरों का सटीक उच्चारण सुनिश्चित करता है। यह विशेष संस्करण 2016 में थाई सरकार द्वारा राजा भूमिबोल अदुल्यादेज (राम क) और रानी सिरीकिट के 70 साल के शासनकाल के उपलक्ष्य में विश्व टिपिटका परियोजना के हिस्से के रूप में प्रकाशित किया गया था। पीएम मोदी को टिपिटका भेंट करना भारत के आध्यात्मिक नेतृत्व और बौद्ध देशों के साथ उसके स्थायी बंधन का प्रमाण है।

मैं हाथ जोड़कर 'तिपिटक' स्वीकार करता हूं

पीएम मोदी ने कहा कि पीएम शिनावात्रा ने मुझे अभी-अभी तिपिटक भेंट किया है। 'बुद्ध भूमि' भारत की ओर से मैंने हाथ जोड़कर इसे स्वीकार किया। पिछले साल भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष थाईलैंड भेजे गए थे, यह बहुत खुशी की बात है कि 40 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं को उनके दर्शन का अवसर मिला। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 1960 में गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष भी दर्शन के लिए थाईलैंड भेजे जाएंगे।

स्ट्रैटिजिक डायलॉग स्थापित करने पर चर्चा, टूरिज्म में सहयोग पर बल, भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध को प्रगाढ़ करते पीएम मोदी

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है। आज हमने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारियां का रूप देने का निर्णय लिया है। सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक वार्ता स्थापित करने पर भी चर्चा की। साइबर क्राइम के शिकार भारतीयों को वापस भारत भेजने में थाईलैंड सरकार से मिले सहयोग के लिए हमने थाईलैंड सरकार का आभार प्रकट किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा का हमारे गर्मजोशी स्वागत के लिए आभार व्यक्त करता हूं। 28 मार्च को आए भूकंप में हुए जनहानि के लिए मैं भारत के लोगों की तरफ से गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और घायलों की शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं थाईलैंड सरकार का आभारी हूं कि मेरी यात्रा के उपलक्ष्य में 18वीं शताब्दी रामायण म्यूरल पेंटिंग पर आधारित एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया है। पीएम शिनावात्रा ने अभी मुझे तिपिटक की भेंट की है।

भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन में थाईलैंड का विशेष स्थान है।

राहुल ने उठाया LAC का मुद्दा, अनुराग ठाकुर ने किया पलटवार

चीनी अधिकारियों के साथ सूप पीने वाले लोग कौन थे?

नई दिल्ली

ठाकुर ने कहा कि जो लोग भारत और चीन के बारे में बात करते हैं, वे चीनियों के साथ सूप पीते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत की एक इंच भी जमीन चीन के हाथों नहीं गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे मुद्दों का राजनीतिकरण करने से कुछ हासिल नहीं होगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर कथित अतिक्रमण का मुद्दा उठाए जाने के बाद उन पर हमला बोला। ठाकुर ने कहा कि जो लोग भारत और चीन के बारे में बात करते हैं, वे चीनियों के साथ सूप पीते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत की एक इंच भी जमीन चीन के हाथों नहीं गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे मुद्दों का

राजनीतिकरण करने से कुछ हासिल नहीं होगा।

अनुराग ठाकुर का पलटार -जवाब में अनुराग ठाकुर ने पूछा, "किसके समय में चीन ने इस क्षेत्र पर कब्जा किया? डोकलाम गतिरोध के दौरान चीनी अधिकारियों के साथ सूप पीने वाले लोग कौन थे? राजीव गांधी फाउंडेशन ने चीनियों से पैसे क्यों लिए?" ठाकुर ने कहा, भारतीय सेना ने चीन को प्रभावी ढंग से जवाब दिया और एक इंच भी जमीन नहीं खोई। ठाकुर ने कहा, इस तरह के मुद्दे पर राजनीति करने से कुछ हासिल नहीं होगा, लेकिन उन्हें (कांग्रेस को) देश की जनता को अतीत की गलतियों के बारे में जवाब देना होगा।

'ओवैसी की भाषा बोल रहे हैं उद्धव ठाकरे'- एकनाथ

महाराष्ट्र

मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने इसे उनका सबसे बड़ा अपराध बताया। शिंदे ने कहा कि इसका विरोध करके यूबीटी ने अपना असली चेहरा उजागर कर दिया है। यह साबित हो गया है कि उन्होंने हिंदुत्व और बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों को पूरी तरह त्याग दिया है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे पर वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने के लिए निशाना साधा और उन पर हिंदुत्व और बालासाहेब ठाकरे की

विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए शिंदे ने इसे उनका सबसे बड़ा अपराध बताया। शिंदे ने कहा कि इसका विरोध करके यूबीटी ने अपना असली चेहरा उजागर कर दिया है। यह साबित हो गया है कि उन्होंने हिंदुत्व और बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों को पूरी तरह त्याग दिया है।

'100 चूहे खा कर बिल्ली हज को चली'- गिरिराज सिंह

नई दिल्ली

गिरिराज सिंह का तंज कसते हुए कहा कि एक कहावत है '100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'। कांग्रेस पार्टी का इतिहास काला रहा है, आपातकाल से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि 2013 में चुनाव से पहले उन्होंने लुटियंस दिल्ली में 123 संपत्तियां रातोंरात वक्फ को दे दीं।

वक्फ संशोधन विधेयक और विपक्ष के विरोध पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पलटवार किया है। गिरिराज सिंह का तंज कसते हुए कहा कि एक कहावत है '100 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली'।

कांग्रेस पार्टी का इतिहास काला रहा है, आपातकाल से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि 2013 में चुनाव से पहले उन्होंने लुटियंस दिल्ली में 123 संपत्तियां रातोंरात वक्फ को दे दीं। इससे पता चलता है कि तुष्टिकरण की हदें कौन पार करता है, कौन काला अध्याय लिखता है।

मध्य प्रदेश के मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अब वक्फ बोर्ड की संपत्ति चंद लोगों के कब्जे में नहीं रहेगी। अगर कोई विवाद होगा तो वह कोर्ट जाएगा। चाहे अखिलेश यादव हों या कोई और विपक्षी नेता, उन्होंने सिर्फ अल्पसंख्यकों को गुमराह किया है और मुसलमानों को बरगलाकर राजनीति करने की कोशिश की है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमें विश्वास है कि वक्फ संशोधन विधेयक राज्यसभा में भी अवश्य पारित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार कांग्रेस सरकार द्वारा भारत को दिए गए नासूर को एक-एक करके ठीक कर रही है।

'SC का सम्मान, लेकिन नहीं मान सकती फैसला', - ममता बनर्जी

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल में 26 हजार शिक्षकों और अन्य कर्मचारी भर्ती को सुप्रीम कोर्ट ने अवैध घोषित किया, जिसके बाद राजनीति गरमा गई है. इसे लेकर बीजेपी ने सीएम ममता बनर्जी से इस्तीफे की मांगी की है तो वहीं सीपीएमन ने तुरंत इस पद को भरने की बात कही है. इस मामले में बंगाल की सीएम ममता बनर्जी कोर्ट के फैसले से खुश नहीं हैं. उन्होंने कहा कि न्यायपालिका का बेहद सम्मान करती हूं, लेकिन फैसले को स्वीकार नहीं कर

सकती.

नौकरी खो चुके लोगों से मिलेंगी ममता बनर्जी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह नौकरी खो चुके लोगों से मिलेंगी और उनसे उम्मीद न खोने के लिए कहेंगी. बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राज्य की ममता सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा, शिक्षक भर्ती में इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी राज्य की विफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है. सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ममता बनर्जी के शासन में कैसे पश्चिम बंगाल में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की योग्यता को पैसे के बदले बेचा गया।

यूपी में 98 फीसदी वक्फ संपत्तियों पर खतरा

यूपी

लोकसभा में बुधवार (2 अप्रैल) को केंद्र सरकार की तरफ से वक्फ संशोधन बिल पेश किया जो विपक्ष के नेताओं हंगामों के बीच पास भी हो गया. अब वक्फ संशोधन बिल राज्यसभा में भी आज गुरुवार (3 अप्रैल) को भी पेश हो गया है और इस पर चर्चा जारी है. इसी बीच वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद यूपी की 98 फीसदी वक्फ संपत्तियों पर खतरा आन पड़ा है. वक्फ संपत्तियों को लेकर एक हिंदी अखबार के अनुसार यूपी की ये वक्फ संपत्तियां अभी तक राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं।

आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट, शहर में भारी बारिश की आशंका

कर्नाटक

वहीं नॉर्थ कर्नाटक के कई जिलों में भी ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इस अलर्ट में आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छिटपुट वर्षा का यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। चिकमंगलूर और हासन का अधिकतम तापमान क्रमशः सामान्य से लगभग 7.5 डिग्री और 6 डिग्री कम रहा। बेंगलुरु में इस समय मौसम भारी बारिश का बना हुआ है। मौसम विभाग ने भारी बारिश, बादल गरज और बिजली गिरने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बेंगलुरु के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। इस दौरान तापमान तीन से चार डिग्री सेल्सियस नीचे गिर सकता है। बारिश के साथ ही तेज हवाएं भी चल सकती है, जिससे मौसम सुहाना बना रहेगा। ये वर्षा बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवती परिसंचरण के कारण हुई है। अडिशा के तट पर दबाव में बदला है। कर्नाटक में भी अगले पांच दिनों में कई क्षेत्रों में बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान भारी गरज के साथ वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। वहीं नॉर्थ कर्नाटक के कई जिलों में भी ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इस अलर्ट में आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छिटपुट वर्षा का यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है।

'क्या वक्फ बोर्ड है या भू-माफिया बोर्ड?'

प्रयागराज में सीएम योगी की हुंकार, मोदी-शाह का जताया आभार

प्रयागराज

प्रयागराज में एक सभा में बोलते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि वक्फ बोर्ड शहरों में भूमि पर निराधार दावे करता रहा है। कुंभ मेले की तैयारियों के दौरान भी उन्होंने घोषणा की कि आयोजन की भूमि उनकी है। हमें पूछना पड़ा - "क्या वक्फ बोर्ड भू-माफिया बन गया है?"

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को वक्फ बोर्ड पर तीखा हमला करते हुए उस पर भूमि अतिक्रमण का आरोप लगाया और कहा कि सार्वजनिक और ऐतिहासिक स्थलों पर उसके मनमाने दावों को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रयागराज में एक सभा में बोलते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि वक्फ बोर्ड शहरों में भूमि पर निराधार दावे करता रहा है। कुंभ मेले की तैयारियों के दौरान भी उन्होंने घोषणा की कि आयोजन की भूमि उनकी है। हमें पूछना पड़ा - "क्या वक्फ बोर्ड भू-माफिया बन गया है?"

वक्फ बोर्ड या भूमाफिया बोर्ड

योगी ने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार के तहत इस तरह के अतिक्रमण हटा दिए गए हैं और माफियाओं को उत्तर प्रदेश से बाहर कर दिया गया है। प्रयागराज में निषादराज गुहा जयंती के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोग नहीं चाहते थे कि प्रयागराज जैसी पौराणिक जगह को उसकी पहचान मिले, क्योंकि उनके लिए उनका वोट बैंक

महत्वपूर्ण था। वक्फ के नाम पर उन्होंने प्रयागराज और अन्य शहरों में भी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। जब हम महाकुंभ का आयोजन कर रहे थे, तो वक्फ बोर्ड मनमाने ढंग से बयान दे रहा था कि प्रयागराज में कुंभ की जमीन भी वक्फ की जमीन है। क्या यह वक्फ बोर्ड है या 'भूमाफिया' बोर्ड है?"

मोदी-शाह का आभार

योगी आदित्यनाथ ने वक्फ बोर्ड पर लगाम लगाने के लिए पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया और कहा कि यह विधेयक राज्यसभा में भी पारित होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा, "हमने उत्तर प्रदेश से माफिया का सफाया कर दिया है... हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के आभारी हैं कि उन्होंने वक्फ बोर्ड पर लगाम लगाई और लोकसभा में यह महत्वपूर्ण अधिनियम पारित करके कल्याणकारी कार्य किया।

मऊआइमा में फिर दो घरों में लाखों की चोरी से हड़कंप मचा

पूर्व में दर्जनों हो चुकी चोरियों का नहीं हुआ खुलासा, चोरों के हौसले बुलंद

अखंड भारत संदेश

चोरी के बाद घर के बाहर चोरों द्वारा फेंका गया सामान

चोरी के बाद मौके पर जांच पड़ताल करती पुलिस

मऊआइमा। मऊआइमा में चोरी का सिलसिला बंद होने का नाम नहीं ले रहा है।बीती रात चोरों ने ग्राम बोमापुर निवासी रमेश कुमार यादव पुत्र माता पलट और ननकू राम पुत्र हरिलाल के यहां चोरी करने में सफल रहे। बताया गया है कि रमेश कुमार के यहां चोरों ने सोने चांदी के जेवरात 70 हजार रूपया नकदी सहित अनेकों कीमती सामान चोरी कर ले गए।जिसका कीमत तकरीबन छह लाख का बताया गया है। बताया गया है कि चोरों ने तीन सन्दूकों अटैची को खेत में उठा कर आराम से तोड कर सारे जेवरात नकदी निकाल कर कपडे आदि फेंक कर भाग गए।इसी प्रकार गांव के ननकू राम के यहां चोरों ने सन्दूक उठा कर खेत में ले जाकर हजारों का जेवरात चोरी कर ले गए। रमेश कुमार यादव ने और ननकू राम ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी है। रमेश कुमार ने गांव के एक युवक पर चोरी की शंका जाहिर करते हुए नामजद तहरीर दी है।इसके पूर्व मऊआइमा में लाखों की चोरी होना और उसका खुलासा न होना भी लोगों को पुलिस पर से विश्वास उठता जा रहा है।14 जनवरी को कुलदीप कुमार पुत्र फतेहबहादुर की सरपताही स्थित मोबाइल की दुकान में मोबाइल, लैपटॉप सहित चार की चोरी का खुलासा करने में पुलिस असफल रही है। रामनगर गंसियारी निवासी पवन सोनी पुत्र विनोद सोनी जो ग्राम बोडीपुर में आभूषण की दुकान किए हैं। 15 फरवरी को वापसी के समय वन का पूरा के पास बाइक सवार मुंह ढके तीन बदमाशों ने तमंचा लगाकर एक लाख का जेवर लूट लिए। आरोप है कि पुलिस लूट की घटना न दर्ज कर चोरी की घटना में मुकदमा दर्ज कर खुलासे के लिए भूल गयी। इसी प्रकार ग्राम किरांव डिहवा में गोविंद कुमार पुत्र नागेन्द्र प्रसाद की मोबाइल की दुकान में सेंधमारी करके चोरों ने दर्जन भर कीमती मोबाइल सहित अनेकों कीमती सामान दो लाख की चोरी करने में सफल रहे। परन्तु पुलिस खुलासा में आज तक असफल रही। ग्राम बांका जलालपुर में राधे सरोज पुत्र कल्लू सरोज की मोबाइल की दुकान में सेंधमारी करके चोरों ने कीमती मोबाइल, कम्प्यूटर, लैपटॉप तथा पैंतीस हजार नगदी सहित ढाई लाख की चोरी 28 जनवरी को हुई। मऊआइमा पुलिस के मुकदमा न दर्ज करने पर पुलिस आयुक्त के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया। 11मार्च को घीनपुर निवासी विनोद कुमार दुबे पुत्र गोपीनाथ दुबे के यहां चोरों ने सोना चांदी के जेवरातों सहित लगभग पांच लाख की चोरी करने में सफल रहे। 20 मार्च को रिशु सिंह पुत्र राजेश ग्राम बबुरा थाना विन्धाचल को रामनगर गंसियारी डिवाइडर के पास फोरलेन पर दिनदहाड़े तीन मुंह ढके बदमाशों ने तमंचा लगाकर 28 हजार रूपया लूट लिया। आरोप है कि पुलिस लूट में मुकदमा न दर्ज कर चोरी में लिख कर भूल गयी। ग्राम रोझियात में रसोई गैस सिलेंडर एजेंसी में चोरों ने 196 भरा हुआ गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। भुक्तभोगी मोहम्मद सलीम अंसारी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। ग्राम अलावलपुर निवासी मोहम्मद जामिद पुत्र इसहाक ने अपनी ट्रक अपने मौसा ग्राम मरखामऊ निवासी मोहम्मद युनूस के घर के पास खड़ी कर दी थी। जिसे चोरों ने उड़ा दिए। भुक्तभोगी मोहम्मद जामिद के फरियाद के बाद एसीपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया।इसी प्रकार मनीष पाल ग्राम देवगलपुर की बाइक तिलई बाजार से चोरी हो गई बताया गया है कि चोरी का मुकदमा नहीं दर्ज किया गया। मऊआइमा क्षेत्र में अनगिनत छोटी मोटी चोरियां और बाइक चोरी की घटनाएं हुई।जिसकी कोई गिनती नहीं है।जिसका आज तक खुलासा नहीं हुआ।

दूषित पानी पीकर लोग हो रहे बीमार, चक्काजाम की चेतावनी

अखंड भारत संदेश

जसरा। विकास खंड के जसरा बाजार में पिछले कई महीनों से जल निगम के नल से प्रदूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है। जिससे अधिकतर परिवार के लोग बीमारी के शिकार हो रहे हैं। बाजार के लोगों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत की है तथा चक्का जाम की चेतावनी दी है।

जसरा बाजार में पानी की सप्लाई के लिए जल निगम की स्थापना की गई थी। लेकिन पानी की आपूर्ति के लिए जमीन के भीतर डाली गई पाइप लाइन जर्जर हो चुकी है। जिससे नलों में लगातार गंदा पानी आ रहा है। गंदा पानी पीने से जसरा बाजार के लोग बीमार हो रहे हैं। जिससे लोग परेशान हैं। लोगों ने इसकी शिकायत ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से की है। जिस पर जल निगम के अधिशासी अभियंता का कहना है कि पैसे की कमी के चलते वह जर्जर पाइप लाइन को नहीं बदल पा रहे हैं । स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को प्रयागराज बांदा राजमार्ग पर जाम करने की चेतावनी दी है। तथा यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए अधिकारी को जिम्मेदार बनाया गया है। मनोज शर्मा, राजीव शर्मा,अशोक केसरवानी, भोले केसरवानी, पारस शर्मा, धर्मेंद्र केसरवानी, नितेश केसरवानी, रतन कुमार केसरवानी, अनूप सोनकर, मुन्ना केसरवानी, आनंद कुमार ,नितिन केसरवानी, विनय कुमार, राजेश कुमार, नीरज गुप्ता, सुधीर केसरवानी सहित दर्जनों लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर पानी की समस्या का समाधान नहीं किया गया। तो शुक्रवार चार अप्रैल को प्रयागराज बांदा राजमार्ग जाम किया जाएगा।

न्यूज झरोखा

काली मां मंदिर परिसर में ध्वज चढ़ाकर गौड़ समाज के लोगो ने टेका माथा

मांडा। चैत्र के नवरात्र के तीसरे दिन चंद्रघंटा के रूप में पूजी गई बुधवार को मांडा खास चौराहे पर स्थित काली मां के मन्दिर में गौड़ समाज ने गाजे बाजे के साथ ध्वज फहराया। काली मां की भक्ति में डूबे युवाओं द्वारा भव्य जुलूस निकालते हुए मां काली के मंदिर में झंडा चढ़ाया। चौराहे पर स्थित मन्दिर में प्रसाद चढ़ाते हुए इस ध्वज को मंदिर ले जाया गया। जहा जुलूस में शामिल दर्जनों से अधिक भक्तो ने मां के जयकारे लगाए। लाल बहादुर शास्त्री इंटर कालेज मांडा के पूर्व लिपिक अमर नाथ गौड़ के अगुआई में निकाली गई माता रानी के इस भव्य जुलूस में भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया मौके पर मौजूद पूर्व लिपिक अमर नाथ गौड़ की नातिन कक्षा 3 की छात्रा मानवी गौड़ ने अपने मधुर आवाज से माता रानी का भजन गाकर सबका ध्यान खींचने में सफल रही। वहीं गौड़ समाज के लोगो ने माता काली का पूजन अर्चन करके प्रसाद वितरण किया। इस बीच मौके पर मंदिर परिसर के पंडा मुंदर माली, ब्लॉक कर्मचारी महेश गौड़, पारस नाथ गौड़ (नंदु), चुन्नी लाल गौड़, शंकर लाल गौड़, दयाशंकर गौड़, बबलू गौड़, सल्ले गौड़, रमेश गौड़, लोकेश कुमार गौड़ सहित तमाम लोग माता रानी के दरबार में उपस्थिति दर्ज कराई।

उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना के बच्चों ने निकाली स्कूल चलो अभियान रैली

जसरा। उच्च प्राथमिक विद्यालय सुजौना जसरा प्रयागराज के बच्चों और शिक्षकों ने नामांकन बढ़ाने और जन-जागरूकता के लिए स्कूल चलो अभियान रैली निकाल कर अभिभावकों से संपर्क किया। विद्यालय के बच्चों और शिक्षकों ने स्लोगन लिखी तख्तियां और बैनर के साथ गांव का भ्रमण किया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्यामाकांत द्विवेदी और शिक्षकों ने अभिभावकों को शासन द्वारा प्राप्त होने वाली सुविधाओं से अवगत कराया और अपने पाल्यों का विद्यालय में नामांकन कराने की अपील किया।श्यामाकांत द्विवेदी ने बताया कि इस वर्ष से विद्यालय में स्मार्ट कक्षा का संचालन भी शुरू किया जा रहा है जिससे बच्चे और रूचिकर ढंग से शिक्षा ग्रहण करेंगे। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा के साथ ही विद्यालय में नवोदय विद्यालय,आश्रम पद्धति के विद्यालयों और अटल आवासीय योजना के विद्यालयों में बच्चों के प्रवेश के लिए विशेष तैयारी भी विद्यालय के शिक्षकों द्वारा करवाई जाती है।रैली में भारतेन्द्र त्रिपाठी, रजनीकांत पांडेय,जितेन्द्र कुमार शर्मा, शिशिर जायसवाल,अरविंद कुमार सिंह,अमरदीप चौधरी,राकेश कुमार, पूनम तिवारी आदि लोग शामिल रहे।

रामजतन पाल के निधन से पार्टी की अपूरणीय छति- विश्वनाथ पाल

सहसों। खोदायपुर गांव निवासी बहुजन समाज पार्टी के कर्मठ स्वच्छ छवि के वरिष्ठ नेता बाबा रामजतन पाल की सड़क हादसे में निधन के बाद गुरुवार को उनके गांव पहुंचे बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दिया। इस अवसर पर आयोजित शोकसभा में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा बहुजन समाज पार्टी के कर्मठ, समर्पित एवं पार्टी को नई दिशा देने वाले बाबा रामजतन पाल की कार्यशैली, जीवन शैली एवं उनके विचारों से हम सब को प्रेरणा लेनी चाहिए। उनके निधन से पार्टी को अपूर्णीय छति हुई है उनकी कमी हम सबको हमेशा खलती रहेगी। उपस्थित लोगों ने मृतक आत्मा के प्रति दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर अमरेंद्र बहादुर भारतीय मंडल प्रभारी मिजार्पुर मंडल, राजू गौतम मुख्य मंडल प्रभारी प्रयागराज, डॉ जगन्नाथ पाल मुख्य मंडल प्रभारी मिजार्पुर मंडल, जिला अध्यक्ष पंकज गौतम, सतीश जाटव मुख्य मंडल प्रभारी प्रयागराज एवं टी एन जैसल सहित भारी संख्या में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते उपस्थित रहे।

भक्तों द्वारा अखंड भजन कीर्तन कर हो रही है माता की उपासना

सहसों। क्षेत्र में श्रद्धालु भक्तों द्वारा मां जगदंबा की पूजा, अर्चना, उपासना एवं भजन कीर्तन नवरात्रि के प्रथम दिन से लगातार हो रही है। तथा माता रानी को पुष्प धूप दीप अर्पण कर जप तप करते हुए श्रद्धालु भक्तजन आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। इसी प्रकार भोपतपुर एवं मीरापुर गांव के ग्रामीण माता के भक्तों द्वारा गांव स्थित माता चौरा पर बड़ी संख्या में भक्त नर नारी उपस्थित होकर भजन कीर्तन एवं माता की महिमा का बखान करते हुए आनंदित एवं कृपा पात्र बन रहे हैं। माता चौरा पर नवरात्रि के प्रथम दिन से ही प्रतिदिन सायंकाल 7:00 बजे से श्रद्धालु भक्त इकट्ठा होकर देर रात तक भजन कीर्तन के साथ जयकारा लगाते हुए मां जगदंबा की आरती उतारकर भक्तों में प्रसाद वितरण किया जाता है। भक्तों में प्रमुख रूप से संत बहादुर सिंह, गुलाब सिंह, राम सिंह, अभय राज सिंह, चंद्रभान सिंह, लाल जी प्रजापति, अशोक सिंह, महेंद्र सिंह, रमेश शर्मा, दिनेश शर्मा उर्फ डीके, शिव प्रसाद शर्मा, अच्छे लाल गुप्ता, लाल चंद्र गुप्ता, राकेश शर्मा, भोलानाथ सोनी, गुरूदीन पाल, अमृतलाल भारतीय, कल्लू यादव, ओमप्रकाश श्रीवास्तव, कृष्णराज सिंह, सूर्य यादव, धीरेंद्र सिंह, रामकुमार सोनी, रमेश पाल, अधिवक्ता राजेंद्र सिंह सहित माता रानी का भजन कीर्तन करते उपस्थित रहते हैं।

सरकारी हैंडपंप में सरहंग ने लगाया विद्युत पम्प

उपजिलाधिकारी ने बीडीओ को कार्यवाही का दिया आदेश

कोरांव। ब्लॉक कोरांव के ग्राम छापर हरदोन में सरकारी हैंडपंप में एक सेरेपुष्ट ने विद्युत पम्प लगवा लिया जिससे शुद्ध पेयजल के लिए जनता परेशान है। श्रीमती मंजू देवी पत्नी दयाशंकर हरिजन ने उप जिलाधिकारी कोरांव को शिकायती पत्र दे कर अवगत कराया है कि लोग पानी के लिए परेशान परंतु उसमें हैंडपंप में लगा कर समरसेबुल के जरिए निजी इस्तेमाल कर रहे हैं। विरोध करने ओर तरह तरह की धमकियां देते हैं। उक्त सरहंग रोजगार सेवक का भाई है। उसने बताया कि जो अन्य गांव में पंप लगा है उसमें गंदा पानी आता है। उक्त समरसेबुल यंत्र को निकलवाने की मांग जल हित में जरूरी है। उक्त आवेदन पर एसडीएम ने बीडीओ कोरांव को जांच कराकर ग्रामीण जनता को शुद्ध पेयजल हेतु कार्यवाही का आदेश दिया है।

श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज में मेधावियों को किया गया पुरस्कृत

अखंड भारत संदेश

मेधावियों को पुरस्कृत करते हुए

जसरा। श्री ईश्वरदीन छेदीलाल इंटर कॉलेज जसरा की गृह परीक्षा का परीक्षा फल घोषित किया गया। इस अवसर पर कक्षा में स्थान पाने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाकर बच्चों के चेहरे प्रसन्नता से खिल उठे। गुरुवार को कक्षा 11 के छात्र पियूष प्रजापति, कक्षा 9 में नितेश कुमार कुशवाहा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, तो वहीं जूनियर वर्ग में कक्षा 6 में अभिषेक तिवारी, कक्षा 7 में उज्जवल यादव तथा कक्षा 8 में आदित्य पाल अव्वल रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य डा०योगेन्द्र सिंह ने स्थान प्राप्त किये गये छात्रों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० योगेंद्र सिंह ने कहा कि आपके अनुशासन और वर्ष भर की मेहनत का यह परीक्षा फल है। नई परिस्थितियों में छात्रों को अधिक मेहनत की जरूरत है । कार्यक्रम में सैकड़ो छात्रों के साथ विद्यालय के अध्यापक सुनील कुमार साहू, चन्द्रशेखर, कुलभूषण मिश्रा, राजेश द्विवेदी, शिल्पा यादव, कमलेश अवस्थी, अचलेंद्र जायसवाल, दयाशंकर सिंह, राम लखन प्रजापति, रंगनाथ गुप्ता, विकास केशरी, रितेश प्रजापति, शिवा केसरवानी, अखिल कुमार, दयाशंकर यादव आदि मौजूद रहे।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने निकाला शोभायात्रा

अखंड भारत संदेश

शोभायात्रा में शामिल विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता

बारा। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के संयुक्त नेतृत्व में कार्यकताओं द्वारा प्रयागराज जनपद की बारा तहसील अंतर्गत लोहगरा बाजार में बड़े हर्ष के साथ गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई ।सैकड़ो की संख्या में मौजूद कार्यकताओं द्वारा जय श्री राम के नारे लगाई गई। शोभा यात्रा के दौरान प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद रहा थाना अध्यक्ष अपने पुलिस बल के साथ जुलूस के आगे मोर्चा संभालते रहे यात्रा लोहगरा बाजार होते हुए पूरे बाजार का भ्रमण करके नीवी भी पहुंचा वहां से वापस लोहगरा बाजार हनुमान मंदिर पर समापन किया गया। शोभा यात्रा में विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री नितिन ने बताया की शोभा यात्रा का उद्देश्य सनातन संस्कृति को बचाए रखना है उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदू सनातन धर्म के प्रति हमारे आने वाली पीढ़ियां को उनकी परंपरागत नीतियों को अपना कर उसके अनुसार चलना चाहिए क्योंकि जो हमारी संस्कृति है उसकी हमें कभी भूलना नहीं चाहिए क्योंकि श्री राम हम सब के आदर्श हैं इस कार्यक्रम मे फंटू महाराज जिला गौ रक्षा प्रभारी, जिला उपाध्यक्ष कृपा शंकर दुबे, जिला प्रसार प्रचार प्रसार प्रमुख राम सिंह कबीर अक्षत पुरोहित, सुजीत केशरवानी, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख राम सिंह कबीर, सुजीत केसरवानी विनय द्विवेदी, वीरेंद्र मिश्रा, राजकुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष विवेक केसरी जिला संयोजक शुभम पांडे जिला धमार्चार्य शिवदत्त मिश्र प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद कुमार चतुवेर्दी प्रखंड अध्यक्ष बालेंद्र प्रखंड उपाध्यक्ष सुमित त्रिपाठी प्रखंड मंत्री पीयूष केसरवानी प्रखंड संयोजक शुभांशु शुक्ला, कुलभूषण सिंह, लालपुर से विवेक शुक्ला आदि समस्त हिंदू समाज के लोग एकत्रित रहे।

जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा लोहगरा बाजार, निकली भव्य शोभायात्रा

अखंड भारत संदेश

शोभा यात्रा में शामिल लोग

शंकरगढ़। चैत्र प्रतिपदा हिंदू नव वर्ष एवं श्रीराम जन्मोत्सव (राम नवमी) के पावन अवसर पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में विराट धर्म सभा एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह दिव्य आयोजन हनुमत निकेतन मंदिर, हनुमान नगर, नीबी, लोहगरा में संपन्न हुआ, जहां भारी संख्या में राम भक्त, राष्ट्र भक्त, गौ भक्त एवं मां गंगा के श्रद्धालु एकत्रित हुए।

शोभायात्रा का शुभारंभ जय श्रीराम के गगनभेदी नारों के साथ हुआ, जिससे संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में डूब गया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं ने भगवा ध्वज, आकर्षक झांकियों के साथ यात्रा को दिव्यता प्रदान की।धर्म सभा में मुख्य वक्ता आदरणीय नितिन भारत जी (प्रांत संगठन मंत्री, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, काशी प्रांत) रहे, एवं अध्यक्षता यमुनापार जिले के जिलाध्यक्ष नित्यानंद उपाध्याय ने की। मुख्य वक्ता ने प्रभु श्री रामचंद्र जी के आदर्श जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे एक उत्तम पुत्र, पति, पिता व राजा थे। उनका जीवन समरसता का प्रतीक रहा–शबरी के जूठे बेर खाए, निषाद राज को समान भाव से अपनाया, सुग्रीव से मित्रता की, वानर-भालुओं की सेना संगठित कर रावण से युद्ध किया।इस ऐतिहासिक आयोजन को भव्य और सफल बनाने में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की जिला टोली एवं समस्त कार्यकर्ता बंधुओं का विशेष योगदान रहा।

शोभायात्रा में प्रमुख रूप जिला समरसता प्रमुख धर्मेंद्र दुबे, मनोज सिंह (विहिप सह मंत्री यमुनापार), धर्म प्रचार प्रमुख राजकुमार, फंटू महाराज, मूलचंद्र केसरवानी, कृपाशंकर द्विवेदी, राजू केसरवानी, संचालनकर्ता सुजीत केसरवानी, आदर्श दुबे, मनोज शुक्ला, प्रदीप, सिंटू त्रिपाठी, विवेक केसरवानी, विनय द्विवेदी, विशाल त्रिपाठी, मानेंद्र सिंह, अभिषेक पाठक, छोटे चौबे, राजू सिंह, मोनू चतुवेर्दी, राम सिंह,अरविंद केसरवानी, रोहित केसरवानी, उमा वर्मा,डॉ प्रेमचंद्र, रामानुज गुप्ता, दीपक नीर, रामजतन बंसल सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नगर निगम प्रयागराज द्वारा व्यापक एंटी लार्वा और नाला सफाई अभियान प्रारंभ

एक सप्ताह में होगा समूचे शहर में एंटी लार्वा छिड़काव, 100 अतिरिक्त सफाईकर्मी भी तैनात

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज द्वारा शहर को स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए एक सघन एंटी लार्वा और नाला सफाई अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान के तहत एक सप्ताह के भीतर पूरे शहर के नालों एवं खाली प्लॉट्स में एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाएगा। साथ ही, बरसात से पूर्व सभी बड़े नालों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने नगर निगम के उच्चाधिकारियों, कर्मचारियों, आईईसी टीम और अन्य संबंधित विभागों के साथ बैठक कर इस अभियान की रणनीति तैयार की।

नगर निगम ने एंटी लार्वा छिड़काव के लिए प्रत्येक वार्ड में पीठ पर लादने वाली मशीन और स्प्रिंकलर मशीन उपलब्ध कराई है। बड़े नालों में स्प्रिंकलर मशीनों के माध्यम से छिड़काव किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत, कुछ चिन्हित मकानों की छतों पर ड्रोन टेक्नोलॉजी का उपयोग कर एंटी लार्वा का छिड़काव किया जाएगा। अभियान के तहत दिन में एंटी लार्वा छिड़काव और शाम को फॉगिंग की जाएगी, जिससे मच्छर जनित बीमारियों से शहरवासियों को बचाया जा सके।नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने कहा,प्रयागराज नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों को मच्छर जनित बीमारियों से बचाना और स्वच्छता बनाए रखना है। इसी को ध्यान में रखते हुए हम व्यापक एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग अभियान चला रहे हैं। ड्रोन तकनीक और आधुनिक मशीनों का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। हमारा संकल्प है कि प्रयागराज को स्वच्छ, स्वस्थ और मच्छर मुक्त बनाया जाए।

बरसात से पूर्व सभी नालों की सफाई होगी पूरी

शहर के सभी नालों की सफाई के लिए नगर निगम ने 23 मशीनें तैनात की हैं। जिन नालों की गहराई 1 मीटर से अधिक है, उनकी सफाई के लिए इंजीनियरिंग विभाग द्वारा टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। टेंडर में शामिल नालों की सफाई निर्धारित समय पर पूरी कर ली जाएगी, जबकि शेष नालों की सफाई नगर निगम स्वयं अपने संसाधनों से करेगा। इस कार्य को सुचारू रूप से करने के लिए 100 अतिरिक्त सफाईकर्मियों की तैनाती की जाएगी।

स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर नगर निगम का संकल्प

प्रयागराज नगर निगम स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर पूरी तरह सतर्क है। शहरवासियों को मच्छरों, कीटाणुओं और अन्य हानिकारक जीवों से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। एंटी लार्वा छिड़काव, फॉगिंग और नाला सफाई जैसे अभियानों से बीमारियों के प्रसार को रोकने में सहायता मिलेगी। नगर निगम का उद्देश्य है कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और रोग मुक्त बनाया जाए, जिससे हर नागरिक एक स्वस्थ वातावरण में जीवन व्यतीत कर सके। नगर निगम प्रयागराज शहर की स्वच्छता और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए लगातार प्रयासरत है। नागरिकों से भी अपील है कि अपने घरों, आस-पास के इलाकों और नालियों को साफ रखने में सहयोग करें, ताकि प्रयागराज को एक स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाया जा सके।

छत्रपति शिवाजी के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं

सहसों। छत्रपति शिवाजी पीजी कालेज सहसों में गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर कालेज के प्रबन्धक एवं जिला उपाध्यक्ष भाजपा गंगापार अनिरुद्ध सिंह पटेल ने कहा कि शिवाजी महाराज मानते थे कि सर्वप्रथम राष्ट्र, फिर गुरु, फिर माता-पिता, फिर परमेश्वर अतः पहले खुद को नहीं राष्ट्र को देखना चाहिए। सनातनी हिन्दू हृदय सम्राट, धर्म रक्षक, अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध लड़ने वाले पराक्रमी योद्धा एवं मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्श आज भी प्रासंगिक है। उनके साहस एवं उनकी नीति का अनुसरण भारत देश के हर युवा एवं हर व्यक्ति को करनी चाहिए। इस अवसर पर सन्दीप द्विवेदी, पुष्कर सिंह, पुष्पेन्द्र सिंह, राघवेंद्र सिंह सिंगरौर, जयेश केसरवानी एवं राकेश सिंह सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

मान्यता प्राप्त यात्री टिकट सुविधा केंद्र का उद्घाटन जंघई में

जंघई। जंघई कालोनी में आरक्षित/अनारक्षित टिकट काउंटर का शुभारंभ बुधवार को वाणिज्य निरीक्षक वाराणसी सुबोध कुमार, आनंद कुमार, स्टेशन अधीक्षक जंघई कोमल सिंह, आरक्षण अधीक्षक कमलेश सिंह के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ। आरक्षण केंद्र के संचालक नंदलाल गुप्ता ने बताया कि आरक्षण केंद्र सोमवार से शनिवार तक सुबह 8.10 बजे से 10 बजे तक, रविवार को सुबह 8.10 से रात्रि 8 बजे तक आरक्षण केंद्र खुलेगा?।आरक्षण केंद्र के काउंटर से मोबाइल फोन द्वारा भी टिकट प्राप्त किया जा सकता है।

योगी की चेतावनी- भू माफिया बन गया वक्फ बोर्ड, यूपी में माफियागीरी नहीं चलेगी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को श्रृंगवेरपुर धाम पहुंचे। यहां पर उन्होंने करोड़ों की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 579 करोड़ रुपये की 181 परियोजनाओं की सौगात दी। इसके पूर्व उन्होंने विधि विधान से पूजन अर्चन कर निषादराज और भगवान राम के मिलन की पावन धरती को प्रणाम किया। सीएम ने निषाद राज उद्यान में अयोध्या शोध संस्थान द्वारा राजा निषाद व श्रीराम से जुड़ी कथाओं पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत प्रशिक्षित समूह की महिलाओं द्वारा मूंज से उत्पादों ओडीओपी की प्रदर्शनी को भी देखा। सीएम योगी ने कहा कि सार्वजनिक और ऐतिहासिक स्थलों पर वक्फ बोर्ड का का मनमाना दावा ज्यादा दिनों तक बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यहां श्रृंगवेरपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप यहां निषादराज की पौराणिक भूमि पर कब्जा देख रहे हैं ना। शहर में जगह-जगह वक्फ के नाम पर कब्जे किए गए हैं। यहां तक की कुंभ के समय भी बयान दिए गए कि कुंभ की भूमि भी वक्फ की है। हमने पूछा था- क्या वक्फ बोर्ड भू-माफिया बन गया है।

वक्फ बोर्ड बिल के लिए मोदी और शाह की सराहना की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार के तहत इस तरह के अतिक्रमण हटा दिए गए हैं और माफियाओं को उत्तर प्रदेश से बाहर खदेड़ दिया गया है। निषाद राज से जुड़ी पवित्र भूमि समेत कई जगहों पर वक्फ के नाम पर अतिक्रमण किया गया, लेकिन ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उनकी आपत्तियों के बावजूद भव्य और दिव्य कुंभ मेले का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने वक्फ बोर्ड की कथित अनियमितताओं के खिलाफ विधायी कार्रवाई करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की भी सराहना की।योगी ने कहा कि ह्यहम प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के आभारी हैं कि उन्होंने वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम लगाई है। इस मुद्दे को हल करने वाला एक महत्वपूर्ण विधेयक पहले ही लोकसभा में पारित हो चुका है और अब इसे राज्यसभा में भी पारित किया जाएगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित हो गया और बृहस्पतिवार को राज्यसभा में प्रस्तुत किया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य अब अवैध दावों को बर्दाश्त नहीं करेगा और राष्ट्रीय हित को पहले स्थान पर रखना होगा। उन्होंने कहा कि ह्यजो लोग राष्ट्र के प्रति वफादार हैं, वे हमेशा अपना रास्ता खोज लेंगे।

महाकुंभ ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ 2025 ने देश-प्रदेश को बहुत कुछ दिया। इतना बड़ा आयोजन सनातन धर्मावलंबी और राम भक्त ही कर सकते हैं। जिनके मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा नहीं है, वे ही इतना बड़ा आयोजन नहीं कर सकते।ह्न उन्होंने कहा कि हमारा प्रयागराज अब सामान्य रूप से इलाहाबाद नहीं रहा। अब यह प्रयागराज हो गया है। प्रयागराज का मतलब महामिलन स्थल। जो लोग प्रयागराज की पहचान को छिपाते थे, वे नहीं चाहते थे कि इस पौराणिक नगर को एक पहचान मिले क्योंकि उनके लिए उनका वोटबैंक महत्वपूर्ण था। योगी बोले महाकुंभ ने यहां के लोगों को देश दुनिया में पहचान और सम्मान दिलाया है। व्यक्ति को पहचान और सम्मान मिल जाए तो इससे बढ़कर कुछ नहीं होता। पिछली सरकारें इस पहचान को समाप्त कर रही थीं। उत्तर प्रदेश को माफियाओं को हवाले कर रही थीं और हर जिले में एक माफिया विकसित कर रही थीं।

श्रृंगवेरपुर का विकास भगवान राम और निषाद राज की मित्रता का प्रतीक : सीएम योगी

सीएम योगी ने श्रृंगवेरपुर में भगवान श्री राम और निषाद राज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि निषाद राज पार्क भगवान राम व निषाद राज की मित्रता का भव्य स्मारक है। सीएम योगी ने पार्क का निरीक्षण किया और कहा कि हजारों वर्ष पहले इसी पावन धरा पर भगवान राम ने कदम रखा था। निषाद राज ने मित्रता का धर्म निभाते हुए भगवान राम को गंगा पार कराई और चित्रकूट तक उनका साथ दिया। आज वही मित्रता बीजेपी और निषाद पार्टी के बीच दिख रही है। यह इतिहास फिर दोहराया जा रहा है।

महाकुंभ की सफलता सनातन धर्म की शक्ति का प्रतीक : सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ की सफलता सनातन धर्म की शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इतना भव्य आयोजन केवल राम भक्त और राष्ट्रनिष्ठ लोग ही कर सकते हैं। यह मां गंगा, भगवान राम, निषाद राज और द्वादश माधव की कृपा का परिणाम है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में योगदान देने वाले प्रशिक्षित गाइड, नाविकों और होम स्टे संचालकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के बहाने प्रयागराज का चौतरफा विकास हुआ है।

न्यूज झरोखा

नैनी कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता लगी, 03 अभियुक्त को भेजा गया जेल

नैनी। नैनी कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता लगी 03 अभियुक्त को भेजा जेल। मोटरसाइकिल व ई रिक्शा चोरो को नैनी पुलिस टीम द्वारा मवैया रोड से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। आपको बता दे कि मुखबिर की सटीक सूचना पर नैनी पुलिस टीम बनाकर नारायण गेस्ट हॉउस मवैया से गुरुवार को मुकेश कुमार कोटार्य (30) पुत्र स्व0 राम प्रकाश कोटार्य निवासी नीवी पंडित तालाब थाना घूरपुर, अनिल कुमार निषाद (20) पुत्र विश्वनाथ निषाद निवासी संजय नगर छिवकी थाना नैनी, लाला गुप्ता (25) पुत्र स्व0 वासुदेव गुप्ता निवासी रंगपुरा थाना फाफामऊ को गिरफ्तार किया। कब्जे से निशादेही से चोरी के 6 मोटरसाइकिल तीन ई रिक्शा बरामद हुआ। गिरफ्तारी करने वाली टीम उ0नि0 राजेश कुमार राय प्रभारी चौकी अऊझ , उ0नि0 रामानन्द विश्वकर्मा थाना नैनी, उ0नि0 अभिजय बोहत थाना नैनी, उ0नि0 पुरूषोत्तम लाल थाना नैनी, का. विमलेश सिंह थाना नैनी, का0 इन्द्रजीत सिंह थाना नैनी, का0 सत्येन्द्र यादव थाना नैनी कमिश्नरेट प्रयागराज।

जेल में अतीक के बेटे ने की टीवी की डिमांड

डीआईजी से कहा- कोई मिलने नहीं आता, हाई सिक्योरिटी सेल में घबराहट होती है

प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल की हाई सिक्योरिटी सेल में बंद माफिया अतीक अहमद के बेटे अली ने जेल प्रशासन से एलईडी टीवी की डिमांड की है। अली 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है। उसकी मॉनिटरिंग प्रयागराज और लखनऊ मुख्यालय से की जा रही है।उसका कहना है कि हाई सिक्योरिटी सेल में बंद होने के कारण वह बाहरी दुनिया नहीं देख पा रहा है। उसका संपर्क कटा हुआ है। हालांकि अली की इस डिमांड को जेल प्रशासन ने मानने से इंकार कर दिया है।वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर ने बताया-बुधवार को डीआईजी जेल राजेश कुमार श्रीवास्तव ने सेंट्रल जेल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने यहां अली की बैरक को देखा था। अली से बातचीत भी की। उस दौरान अली ने डीआईजी से टीवी की डिमांड कर दी। उसने कहा, उससे कोई मिलने नहीं आता है। हाई सिक्योरिटी सेल में अधिक सुरक्षा होने के कारण उसे जेल में घबराहट होती है। इसलिए उसे टीवी और दैनिक उपयोग की अन्य चीजें मुहैया कराई जाए। हालांकि उसकी डिमांड को स्वीकार नहीं किया गया।अली ने डीआईजी से आगे कहा- वह बाहर दुनिया से एकदम कटा हुआ है। दुनिया में क्या कुछ चल रहा है उसे कुछ भी मालूम नहीं है। इसलिए उसे पढ़ने के लिए न्यूजपेपर और कुछ किताबें दी जाए। गर्मी भी अब पड़ने लगी है। गर्मी से बचने के लिए कूलर और ठंडा पानी पीने का भी इंतजाम किया जाए।

वरिष्ठ जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने बताया कि जब से अली सेंट्रल जेल नैनी में आया है, यहां उससे मिलने कोई नहीं आता है। काफी टाइम पहले केवल एक बार एक वकील मिलने आया था। उसके बाद से कोई मिलने नहीं आया है।

माफिया राजेश यादव ने किसान से मांगी रंगदारी, रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

झूंसी। माफिया राजेश यादव द्वारा एक किसान से रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है किसान की तहरीर पर पुलिस ने राजेश यादव एवं उनके आधा दर्जन गुर्गों के खिलाफ मामला दर्ज कर सभी की तलाश में जुट गई है। मामला झूंसी थाना क्षेत्र के कनिहार का है। मेजा के कोईलहा गांव निवासी अमर बहादुर पुत्र स्व. ज्वाला प्रसाद ने लिखित शिकायत करते हुए बताया कि उसकी जमीन झूंसी के कनिहार गांव में है। दो दिन पहले वह अपने भाई श्याम लाल के साथ जमीन कि साफ सफाई के लिए आया था और साफ सफाई करवा रहा था। आरोप है कि माफिया राजेश यादव कई गाड़ियों से उसकी जमीन पर पहुंचा और

पिस्टल दिखाते हुए धमकी दी कि जमीन हमारे नाम पर कर दो या तो 25 लाख रुपये दो। पीड़ित शिकायत पर पुलिस ने राजेश यादव, बृजेश यादव धर्मवीर यादव उर्फ बच्चा, राजीव यादव सहित अन्य के खिलाफ रंगदारी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी झूंसी उपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी है राजेश के खिलाफ फिर से गैगेस्टर की कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस फर्जी मुठभेड़ का मामला : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- खारिज होने के बाद दोबारा नहीं दाखिल की जा सकती अर्जी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि एक बार धारा 156 (3)की अर्जी खारिज होने के बाद दुबारा दाखिल नहीं की जा सकती। ऐसी अर्जी पोषणीय नहीं है। इसी के साथ कोर्ट ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश मथुरा व उखट मथुरा के आदेशों 19 मार्च व 18 सितंबर 2024 को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है और जिला एवं सत्र न्यायाधीश को नये सिरे से पक्षों को सुनकर नियमानुसार पुनरीक्षण अर्जी तय करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने ब्रह्मपाल सिंह उर्फ ब्रह्म प्रकाश शर्मा व 6 अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है।याची का कहना था कि शीला देवी ने याचीगण जो गौतमबुद्धनगर में पुलिस थे, उन पर

फर्जी मुठभेड़ में उसके बेटे की हत्या करने का आरोप लगाते हुए सीजेएम मथुरा की अदालत में धारा 156(3) के तहत अर्जी दाखिल की। कहा पुलिस कर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच की जाय। मजिस्ट्रेट ने अर्जी खारिज कर दी।

इसके बाद शिकायतकर्ता ने दोबारा धारा 156 (3) की अर्जी दाखिल की। विस्तृत आदेश देते हुए मजिस्ट्रेट ने फिर अर्जी खारिज कर दी। जिसके खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी सत्र अदालत में दाखिल की गई। सत्र अदालत ने बिना याचीगण को नोटिस दिए एकपक्षीय आदेश से अर्जी स्वीकार करते हुए सीजेएम को धारा 156 (3)की अर्जी फिर से तय करने का आदेश दिया। जिस पर मजिस्ट्रेट ने एसएसपी मथुरा को एफआईआर दर्ज कराकर सीओ रैंक के अधिकारी से विवेचना कराने का आदेश दिया।जिसकी वैधता को चुनौती दी गई थी।

याची अधिवक्ता विभु राय का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि धारा 156(3) की अर्जी एक बार खारिज होने के बाद दुबारा दाखिल अर्जी पोषणीय नहीं है। जिसके आधार पर हाईकोर्ट ने सत्र अदालत व सी जे एम के आदेश रद्द कर दिया है।

नैनी नए यमुना पुल पर ट्रक कि लापरवाही से लग रहा जाम, यातायात नियम कि उड़ रही धज्जियां

नैनी। नैनी नए यमुना पुल पर इन दिनों ट्रक चालक कि मनमानी की वजह से लग रहा भीषड़ जाम, लोग हो रहें है परेशान, स्थानी लोगों की माने तो नो एंट्री के बाद ट्रक चालक मनमानी तरीके से ट्रक चलाते हैं इसके बाद ट्रक गलत तरीके से निकलने के चक्कर में भीषण जाम लग जा रहा है। वही क्षेत्रीय यातायात प्रशासन को इस पर ध्यान देने कि सख्त आवश्यकता है। रास्ते से गुजर रहें ऑटो चालक अरुण तिवारी के कहा कि नए पुल पर प्रतिदिन इस तरह का जाम देखने को मिलता है ऐसे में एम्बुलेंस से जा रहें मरीज जाम से ना निकल पाने पर अपना दम भी तोड़ देते है, दो - दो लाइन से ट्रक जाने लगती है। यातायात के इस नियम को शासन प्रशासन के द्वारा चुस्त व दुरुस्त करनी चाहिए। वही मंगलवार देर रात एक यात्री मुंबई जाने के लिए ई रिक्से से नए पुल से छिवकी जा रहा था। जैसे ही पुल के आगे पहुंचा तो जाम लग गया, जाम कभी देर तक लगे होने कि वजह से उसकी ट्रेन छूट सकती थी पर भगवान का शुक्र था कि वही बाईक से एक पत्रकार उसी रास्ते से गुजर रहें थे तो उन्हें सहारा मिल गया और लिफ्ट लेकर किसी तरह स्टेशन पहुंच गए।

अवैध बालू खनन और परिवहन पर प्रतिबंध लगाने हेतु गंगा वॉरियर्स ने आरएफओ मेजा को सौंपा ज्ञापन

कहा - एक सप्ताह के अंदर कछुआ सेंचुरी में अवैध बालू खनन की गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई तो गोगांव गंगा घाट पर करेंगे आमरण अनशन

अखंड भारत संदेश

मेजा। गंगा वारियर्स ने गुरुवार को डीएफओ प्रयागराज के नाम संबोधित ज्ञापन पत्र आरएफओ मेजा अजय सिंह को सौंपा और पड़ोसी जिले मिर्जापुर के लालगंज वन विभाग अंतर्गत गोगांव गाँव के गंगा घाट पर बालू के अवैध खनन व परिवहन पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग किया। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज जिले के पूर्वी तथा मिर्जापुर जिले के पश्चिमी छोर पर स्थित गंगा के तटवर्ती गावों को सर्वोच्च न्यायालय ने कछुआ सेंचुरी घोषित किया है। जलीय जीवों की संरक्षा एवं सुरक्षा के लिए किसी

आरएफओ को ज्ञापन सौंपते गंगा वॉरियर्स

भी प्रकार की गतिविधियों तथा बालू के अवैध खनन तथा परिवहन पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया है। इसके बावजूद भी खाकीधारियों की शह पर कछुआ सेंचुरी गोगांव में चौबीसों घंटे अंधाधुंध तरीके से नाव के द्वारा घाटों पर बालू डंप कर ट्रैक्टर ट्राली से ढुलाई की जा रही है। यहाँ तक की बाइक व ऊंट के जरिये भी बालू डंप किया जा रहा है। गंगा वारियर्स सुवाष चंद्र ओझा ने बताया कि शासन स्तर से डीएफओ प्रयागराज को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। नतीजन मिर्जापुर जिले के वन विभाग के अधिकारी अपनी जवाबदेही से पल्ला झाड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि एक सप्ताह के अंदर कछुआ सेंचुरी में अवैध गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई तो गोगांव गाँव के गंगा घाट पर आमरण अनशन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। साथ ही यह भी खुलासा किया कि बालू के धंधे में लगे नाविक कछुआ का शिकार कर पश्चिम बंगाल तक तस्करी करने में लगे हुए हैं। इस संबंध में आरएफओ मेजा अजय सिंह ने बताया कि मांगों से संबंधित पत्रक डीएफओ को प्रेषित कर दिया गया है। निर्देश मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि बीते वर्ष जून माह में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण नई दिल्ली व पर्यावरण प्रदूषण विभाग की टीम ने कछुआ सेंचुरी में कदम दर कदम घाटों पर गहरे गड्ढे देखकर वन विभाग के अधिकारियों को जमकर खरी खोटी सुनाते हुए खनन माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी थी। किंतु टीम के वापस लौट जाने के बाद बालू का खनन व परिवहन पूर्ववत चलता रहा?।

महापौर ने जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनी

नैनी। नैनी महापौर प्रयागराज उमेश चंद गणेश केसरवानी ने बृहस्पतिवार को जनता दरबार लगाकर समस्याओं को सुना तथा उसके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। संजय श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख ने बताया, कि बृहस्पतिवार को महापौर उमेश चंद गणेश केसरवानी ने क्षेत्रीय पार्षद मयंक यादव के कार्यालय पर जनता दरबार के माध्यम से सभी की समस्याओं को सुना तथा उसके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। इस अवसर पर गणेश केसरवानी ने कहा, कि जनता जनार्दन का सेवा करना हमारा परम कर्तव्य है। जो भी समस्याएं हमारे पास नागरिकों के द्वारा लाई जाएगी, उसका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस मौके पर पार्षद मयंक यादव, संजय श्रीवास्तव, सुनील कुशवाहा, प्रदीप तिवारी, नीरज शर्मा, सुनील विश्वकर्मा, उमेश सेन, नित्यानंद मिश्रा, रमेश पटेल, धर्मराज पटेल, बाबूजी यादव, पीयूष कांत मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

गोकशी के लिए ले जा रहे पांच गोवंश के साथ तीन अभियुक्तों को मेजा पुलिस ने दबोचा

अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध इन दिनों क्षेत्र में एसीपी मेजा और इंस्पेक्टर मेजा के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत मेजा पुलिस टीम को मिली सफलता

मेजा। एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता और थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय के निर्देश इन दिनों अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में उप निरीक्षक गौरव यादव के नेतृत्व में मेजा पुलिस की गठित ने गुरुवार को गोकशी के लिए एक पिकअप गाड़ी से ले जा रहे पांच गोवंश के साथ तीन अभियुक्तों को मेजा पुलिस ने मेजा नहर की पुलिया से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार की रात्रि में मेजा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि मेजा बोलन तिराहे से होते हुए उरुवा जाने वाले मार्ग पर दो सौ मीटर की दूरी पर स्थित नहर पुलिया के दाहिने बने कमरे के बगल रास्ते पर एक पिकअप गाड़ी खड़ी है जिसमें गोवंश लदे हैं। मेजा पुलिस सक्रिय हो गई और उपनिरीक्षक गौरव यादव के नेतृत्व में गठित टीम तत्काल उक्त स्थान पर पहुंची और पिकअप के पास खड़े दो लोगों को पकड़ लिया। पूछ ताँछ करने पर एक ने अपना नाम शमशुद्दीन हाशमी पुत्र इमाम अली निवासी माता का पूरा थाना मेजा तथा दो और रंजीत पटेल उर्फ भीम व रोहित पटेल पुत्रगण मोहन लाल उर्फ कल्लू निवासी माता का पूरा रामनगर मेजा बताए। पुलिस के अनुसार पिकअप में पैर एवं गर्दन बंधे पांच गोवंश पाए गए जिन्हें उपरोक्त अभियुक्त गोकशी के लिए ले जा रहे थे। इस संबंध थाना प्रभारी मेजा राजेश उपाध्याय ने बताया कि बरामदगी के आधार पर उक्त अभियुक्तों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम एवं पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

थ्रेसर पलटने से एक बच्चे की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

अखंड भारत संदेश

जंघई। गुरुवार शाम को जंघई रेलवे फाटक के पास मड़ाई करने जा रहे ट्रैक्टर का थ्रेसर पलटने से 5 वर्षीय ऋषभ पुत्र बल्ली गौतम की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 8 वर्षीय सुलभ पुत्र राहुल गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया। रेलवे फाटक स्थित हरिजन बस्ती के पीछे गेहूं की मड़ाई के लिए ट्रैक्टर खेत में जा रहा था बस्ती के लोग ही थ्रेसर पर मजदूरी करने जा रहे थे।श पास पड़ोस के बच्चे ट्रैक्टर पर बैठ गए। खेत में जाते समय थ्रेसर असंतुलित होकर पलट गया जिससे ऋषभ की मौके पर ही दब कर मौत हो गई, जबकि सुलभ गंभीर रूप से जख्मी हो गया। बेटे की मौत की खबर पाते ही उसकी मां अचेत हो गई जबकि राहुल को

घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस

उपचार के लिए परिजन प्रयागराज लेकर चले गए। वहीं एक अन्य दुर्घटना में मीरगंज थाना क्षेत्र के बभनियांव यादवपुर निवासी 16 वर्षीय मंगलेश यादव पुत्र स्व जिलाजीत यादव बस की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। अपराह्न लगभग 4 बजे मंगलेश जंघई स्टेशन से साइकिल चलाते हुए घर की ओर आ रहा था कि पीछे से आ रही बस ने टक्कर मार दी जिससे मंगलेश का सिर फट गया स्थानीय चिकित्सकों ने उसे देखते ही प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया।

विश्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा संघ की 100 वर्षों की साधना का परिणाम : सूबेदार

● हर्षोल्लास के साथ आरएसएस ने मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव, निकाला पथ संचलन

अखंड भारत संदेश

वर्ष प्रतिपदा उत्सव पर आएसएस द्वारा निकाला गया पथ संचलन

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से जनपद के पट्टी खण्ड में वर्ष प्रतिपदा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संघ के मुख्यवक्ता सह विभाग कार्यवाह सूबेदार, जिला संघचालक अशोक और खंड संघचालक रमापति ने संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए स्वयंसेवकों ने आद्य सर संघचालक प्रणाम किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद सह विभाग कार्यवाह सूबेदार ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संघ के स्वयंसेवकों के लिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा का अवसर अति महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि संघ के संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी इसी तिथि हुआ था। कार्यक्रम में बोलते हुए सूबेदार जी बताया कि विश्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा संघ की 100 वर्षों की साधना का परिणाम है। स्वयंसेवकों को पांच प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया। ये क्षेत्र हैं - सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण और नागरिक कर्तव्य उन्होंने कहा कि समाज में विभेद को समाप्त करना और समरसता स्थापित करना संघ का मुख्य लक्ष्य है। इसके पश्चात ढकवा मोड गायत्री मंदिर से स्वयंसेवकों ने पथ संचलन शुरू किया, जो कचेहरी, चैक, चमन चौक होते हुए उड़ियाडीह पर हनुमान मंदिर पहुंचकर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान नगर वासियों ने जगह जगह पुष्प वर्षा कर उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में जिला कार्यवाह हेमंत कुमार, खंड कार्यवाह सुभाष, खंड प्रचारक दीपकदेव, विभाग सेवा प्रमुख विनय तिवारी, विहिप के जिलाध्यक्ष नागेंद्र, जिला महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य प्रमुख आशीष,जिला घोष प्रमुख उमंग, वेद प्रकाश, विभाग अभिलेख प्रमुख, बिपिन, जिला कार्यकारिणी सदस्य दीपक, शैलेश, विहिप के प्रिंस, विद्यार्थी परिषद के बाला जी, पुनीत, उमेश, कुल भास्कर, नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक, गौरव, ब्लॉक प्रमुख राकेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

दलित की पिटाई को लेकर नामजद व अज्ञात आरोपियों पर केस

लालगंज। दलित की पिटाई को लेकर पुलिस ने एक नामजद तथा दस से पन्द्रह अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मारपीट व गालीगलौज तथा धमकी एवं अनुसूचित जाति उत्पीड़न का केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के अर्जुनपुर निवासी हिमांशु सरोज पुत्र तेजीलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती दो अप्रैल को दिन में तीन बजे वह अर्जुनपुर स्थित एक जनसेवा केंद्र पर जरूरी काम से जा रहा था। इसी समय उदयपुर थाना के उछापुर के एक आरोपी ने दस पन्द्रह अज्ञात के साथ उसे जातिसूचक गाली देते हुए मारापीटा। बीचबचाव के लिए जनसेवा केंद्र का संचालक अमन मौर्या पुत्र लालबाबू पहुंचा तो उस पर भी आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया। हमले में अमन मौर्या चोटो के कारण बेहोश हो गया। शोरगुल मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। पीड़ित का कहना है कि उसने घटना की सूचना लालगंज कोतवाली पुलिस को दी। सीओ रामसूरत सोनकर के निर्देश पर पुलिस ने बुधवार की देर रात आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास व दलित उत्पीड़न का केस दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है कि केस दर्ज किया गया है, जांच कर दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज झरोखा

तीन कल्प में विष्णु अवतार हुआ, चौथे में साक्षात भगवान श्रीराम : मधुसूदन दास शास्त्री

बेलखरनाथ धाम। नव दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के चौथे दिन कथा वाचक ने माता कौशल्या के गर्भ से अवतरित हुए श्रीराम जन्म प्रसंग की विस्तार से व्याख्या की।बाबा बेलखरनाथ धाम के खूझी कला गांव में चल रही राम कथा के दौरान कथा वाचक मधुसूदन दास शास्त्री ने कहा कि एक बार माता सती भगवान शंकर बिन बताये ही माता सीता का रूप धारण कर भगवान राम की परीक्षा लेने चली गई। लेकिन भगवान श्रीराम ने उन्हें पहचान कर पूछ लिया हे माता आप अकेले कहां घूम रही है। जिसे सुन माता सती संकोच में पड़गई। लेकिन भगवान शंकर ने ध्यान लगाकर सती द्वारा भगवान श्रीराम की परीक्षा लेने की बातें जान ली।जिसके बाद भगवान शंकर इस सोच में पड़.गये कि सती माता सीता का रूप धारण कर भगवान श्रीराम की परीक्षा लेने चली गई। अब ऐसी स्थिति में मैं सती से प्रेम कैसे कर सकता है।कहा कि माता सती के पिता राजा दक्ष के यहां यज्ञ हो रहा था। जिसमें शामिल होने के लिए माता सती ने भगवान से अपनी इच्छा जाहिर की थी। जिसे भगवान शंकर ने माता सती से कहा कि तुम्हारे पिता ने यज्ञ में आने के लिए हमलोगों को आमंत्रित नहीं किया है। हालांकि माता-पिता, गुरु एवं मित्र के घर जाने के लिए आमंत्रण की जरूरत नहीं होती है। जहां मान नहीं हो वहां बिन बुलाए जाना भी नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि भगवान शंकर की बात की अवहेलना कर माता सती अपने पिता राजा दक्ष के घर पहुंच गई। लेकिन यज्ञस्थल के निकट भगवान शंकर का स्थान नहीं देख क्रोध में आकर यज्ञ विध्वंस करने की नियत यज्ञ कुंड में कूदकर अपने शरीर का त्याग कर दी थी। जिसके बाद माता सती ने घोर तपस्या कर राजा हिमाचल एवं रानी मैना के घर पार्वती के रूप में जन्म ली। फिर माता पार्वती से भगवान शंकर का विवाह हुआ और दोनों कैलाश पर्वत जाकर रहने लगें। संगीतमय श्रीराम कथा सुनने के लिए हर शाम बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हो रही है। श्रीराम कथा के अमृत वर्षा में श्रद्धालु गोता लगा रहे है।

ग्राम प्रधान सहित दस गिरफ्तार, भेजा जेल

रानीगंज। सहायक नर्स की नर्सिंग होम में हुई मौत के विरोध में दूसरे दिन बवाल के दौरान पुलिस पर पथराव करने वालों की धर-पकड़ तेज हो गई। गुरूवार को चार थाने की पुलिस भोर में ही गांव पहुंच गई। जिससे गांव में भगदड़ मच गई। पुलिस ने ग्राम प्रधान उनकी पत्नी व सफाईकर्मी सहित दस लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। रानीगंज के दुगार्गंज बाजार में हुए बवाल में पुलिसकर्मियों के घायल होने के बाद 200 लोगों पर केस दर्ज किया गया था। मामले में एसओ आदित्य सिंह, चैकी इंचार्ज दुगार्गंज रोहित यादव व हेड कांस्टेबल राजेश यादव को लाइन हाजिर की कार्रवाई हो चुकी है। एसओ का चार्ज लेने वाले श्रवण कुमार सिंह ने गुरूवार की भोर में ही फतनपुर, देल्हूपुर व देहात कोतवाली की फोर्स के साथ मृतका के गांव में दबिश दी। भोर में ही पुलिस को देखकर लोगों में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने घर पर मिले ग्राम प्रधान अखिलेश सरोज, उनकी पत्नी शारदा सरोज, संजय, शनि, मिथिलेश, योगराज सिंह, संतोष, अखिलेश सरोज, संजय सरोज की पत्नी माधुरी, सफाईकर्मी रामसजीवन को गिरफ्तार कर लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उठाये लाभ, 12 तक करें आवेदन

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ के अधीन संचालित शिक्षण एवं मार्गदर्शन केन्द्र के प्रशिक्षण सत्र 2025-26 में निःशुल्क एक वर्षीय कार्यालय प्रबन्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश हेतु अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन पत्र 12 अप्रैल 2025 तक जमा कर सकते है। आवेदन पत्र का प्रारूप जिला सेवायोजन कार्यालय की सूचना पट्ट पर उपलब्ध है। उन्होने बताया है कि प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल में अंग्रेजी एक विषय सहित इण्टरमीडिएटध्समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है एवं आयु 18 से 35 वर्ष, छूट नियमानुसार (01.04.2025) होनी चाहिये। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान, सामान्य गणित व तर्कशक्ति आदि विषयों का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा तथा विभिन्न चयन आयोगों द्वारा आयोजित एक दिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं यथा-रेलवे, बैकिंग, कर्मचारी चयन आयोग, समूह ह्यगह्ल समीक्षा अधिकारी, बीएड, पीईटी, टीईटी की तैयारी करायी जायेगी। अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति के प्रशिक्षार्थियों को दो सौ रुपए प्रतिमाह की दर से छात्रवृत्ति भी दी जाती है।उन्होने बताया है कि इच्छुक पात्र अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन पत्र समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित फोटो कापी, अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी उपरोक्त प्रमाण पत्रों सहित बैंक पासबुक की फोटो कापी एवं दो फोटो के साथ विलम्बतम 12 अप्रैल 2025 तक जमा कर सकते है। उक्त वर्ग के विकलांग अभ्यर्थियों को 3 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा एवं नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जायेगी। अभ्यर्थियों का सेवायोजन कार्यालय में आनलाइन पंजीकरण होना अनिवार्य है। प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 15 अप्रैल 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय प्रतापगढ़ के प्रांगण में होगा। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों के साथ उपस्थित होना होगा।

जमीन रंजिश में महिला को पीटकर किया घायल

पट्टी। विवादित जमीन पर पड़ोसी कब्जा कर रहे थे। महिला ने विरोध किया तो उसे लाठी डंडों से मार-पीट कर घायल कर दिया।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सदहा गांव निवासिनी अनीता देवी ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसके पड़ोसियों से जमीन का विवाद चल रहा है। जिस पर पड़ोसी जेसीबी मशीन से कब्जा कर रहे थे। जब वह मना करने के लिए गई तो उसे लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिए। मार-पीट के दौरान महिला घायल हो गई। पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच पड़ताल कर रही है।

दबंग स्टेशन अधीक्षक से धूमिल हो रही रेलवे की छवि

अखंड भारत संदेश

● दस वर्ष से एक ही स्टेशन पर कार्यरत एसएस, सेफ्टी के साथ हो रहा खिलवाड़

● रिटायर रेल कर्मी ने डीआरएम को भेजे शिकायती पत्र में मढ़े कई आरोप

प्रतापगढ़। जब सितारे बुलंदी पर हो तो गधा भी पहलवान होता है। मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक की कुर्सी को लेकर जो रार मची है। उस पर यह जुमला फिट बैठ रहा है। दअसल, परिचालन के अफसरों ने स्टेशन अधीक्षक की कुर्सी पर एक ऐसा व्यक्ति को बैठा दिया है जो उसके योग्य नहीं है। जो योग्य है उसको नियम के विपरीत जाकर साइड में कर दिया गया है। इसको लेकर बवाल मचा हुआ । इसे सेफ्टी से खिलवाड़ और यात्रियों की सुरक्षा से जोड़कर देखा जा रहा है। जो रेलवे को कदापि मंजूर नहीं होना चाहिए। रिटायर रेल कर्मी एसए अंसारी ने मंडलीय रेल प्रबंधक लखनऊ को भेजे गए शिकायती पत्र में ये सारे आरोप मढ़ते हुए मामले की जांच कर दोषी जनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एसए अंसारी ने डीआरएम को भेजे गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि प्रतापगढ़ में सीनियर कर्मचारी को स्टेशन अधीक्षक न बनाकर परिचालन के अफसरों ने कनिष्ठ कर्मी को एसएस की कुर्सी पर बैठा दिया है। वर्तमान एसएस पिछले दस वर्षों से एक ही स्टेशन पर डटा है और पिछले तीन साल से अफसरों की मेहरबानी से एसएस की कुर्सी पर काबिज है। अफसर दबाव में काम ले रहे हैं। इनके कार्यकाल में कई बार सेफ्टी से खिलवाड़ हुआ। काशी विश्वनाथ जैसी ट्रेन के साथ घटनाएं भी हुई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब कि तत्काल डीआरएम ने इनके खिलाफ कार्रवाई का पत्र भी निकाला था। रेल कर्मी ने प्रतापगढ़ के अलावा प्रयाग और रायबरेली समेत कई स्टेशनों पर इस तरह से नियमों को दरकिनार कर जूनियर को स्टेशन अधीक्षक बनाने का भी मामला उठाया है। एसए अंसारी का कहना है कि वर्तमान एसएस दबंगई करते हैं। परिचालन के अफसरों की वजह से ही एक साल पहले जूनियर को इंचार्ज बनाने को लेकर हक मांग रहे कर्मचारी के खिलाफ बड़ी घटना हुई थी। जिसमें मारपीट तक हो गई थी। परिचालन के अफसर चाहते हैं कि वही घटना फिर से दोहराई जाए। रेल कर्मी ने डीआरएम से इस मामले में हस्तक्षेप करने और रेल के नियमों के तहत कार्रवाई की मांग की है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावियों को मिले मेडल, खिले चेहरे

● शिवराज पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव में हुई मनमोहक प्रस्तुतियां

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बाबूगंज रोड स्थित शिवराज पब्लिक स्कूल में गुरूवार को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य डॉ. डीपी ओझा व चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र छात्राओं ने वार्षिकोत्सव में स्वागत गान तथा सरस्वती वंदना के साथ मनमोहक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। अतिथियों ने कक्षा पांच के सर्वश्रेष्ठ मेधावी अंकित वर्मा को हाल ही में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में सफलता को लेकर मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं वार्षिक परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्र छात्राओं के साथ खेलकूद प्रतियोगिता के भी सफल प्रतिभागियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्राचार्य डॉ. डीपी ओझा ने कहा कि बच्चों को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत शिक्षा के साथ संस्कृतवान बनाए रखने के लिए शिक्षादान होना चाहिए। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा पीढ़ी का निर्माण कर समाज व राष्ट्र को मजबूत भविष्य सौंपने में सहायक है। प्रधानाचार्य मो. जावेद खॉन ने शैक्षिक प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उप प्रबंधक दिव्यकांत ओझा ने स्वागत भाषण तथा शिक्षक एससी यादव ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में अधिवक्ता ज्ञानप्रकाश शुक्ल, शिक्षिका दक्षिणा शुक्ला, प्रज्ञा श्रीवास्तव, रेनू यादव, रंजीत पाल, नीरज त्रिपाठी, सुनील यादव, गौरव शुक्ल, संजय पाण्डेय, देवचन्द्र, रामशंकर आदि रहे।

महुआ बिनने को लेकर हुआ विवाद, सात घायल

अखंड भारत संदेश

पट्टी। महुए को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें दोनों पक्षों से आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी पट्टी में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत में एक महिला को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के डेईडीह धौरहरा गांव में गुरुवार की सुबह महुआ बिनने के विवाद में दो पक्ष में मार-पीट हो गयी। जिसमें एक पक्ष से सीमा पत्नी राजेश, मंजू वर्मा, इंद्रावती वर्मा व उमा वर्मा घायल हो गये। आनन फानन में परिजन घायलों को लेकर सीएचसी पट्टी पहुंचे। जहां से सीमा की हालत गंभीर होने के चलते मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। जबकि अन्य तीन घायलों का इलाज सीएचसी पट्टी में चल रहा है। प्रथम पक्ष ने आरोप लगाया है कि महुआ बिनने के विवाद को लेकर पड़ोस के ही राजकुमार, शेष कुमार, केदारनाथ व जय राम तथा उनके घर की महिलाएं अचानक हमला कर दिए और मारपीट कर घायल कर दिए। जबकि दूसरे पक्ष से तीन लोग घायल हुए है। दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया है कि महुआ बिनने के विवाद को लेकर प्रथम पक्ष ने दूसरे पक्ष के घर की महिलाएं चंद्रावती देवी शीला पटेल व केदारनाथ के ऊपर लाठी डंडा लेकर हमलावर हो गई, जिसमें चंद्रावती देवी को चोटें आई हैं। दोनो पक्ष मामले की शिकायत लेकर पट्टी कोतवाली पहुंचे। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर पट्टी कोतवाल अवन कुमार दीक्षित ने सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण हेतु सीएचसी पट्टी भेजा। कोतवाल का कहना है कि दोनों पक्षों से तहरी मिली है घायलों को मेडिकल परीक्षण हेतु सीएचसी भेजा गया है अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

होली व ईद मिलन समारोह में वकीलों ने सौहार्द व कौमी एकता पर दिया जोर

● तहसील सभागार में होली व ईद मिलन पर आयोजित हुआ समारोह

अखंड भारत संदेश

लालगंज। तहसील सभागार में गुरूवार को अधिवक्ताओं द्वारा होली व ईद मिलन का सामूहिक आयोजन हुआ। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं द्वारा एक दूसरे को फूल भेंटकर दोनों त्यौहारों की खुशियां साझा की गयी। पूर्व अध्यक्ष टीपी यादव व राममोहन सिंह तथा अनिल त्रिपाठी महेश ने कहा कि होली व ईद का त्यौहार हमें एक साथ मिलकर समाज और देश की खुशियों को मजबूती देने का संदेश है। अध्यक्षता आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल व संचालन पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष शहजाद अंसारी ने किया। लालता प्रसाद पाण्डेय, प्रशांत यादव ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। समारोह को पूर्व महामंत्री प्रवीण यादव, घनश्याम मिश्र, दिनेश मिश्र, पारसनाथ सरोज, राजेश तिवारी ने भी संबोधित कर राष्ट्रीय एकता की मजबूती पर प्रकाश डाला। इस मौके पर संयोजक अधिवक्ता शिवरंजन सिंह, रामकुमार पाण्डेय, हिना, रामलखन शर्मा, सुशील शुक्ल, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव, हरिश्चंद्र पाण्डेय, अखिलेश श्रीवास्तव, मो. असलम, मस्तराम पाल, आशुतोष शुक्ल, मो. नसीम, दानिश, नौशाद, सुमित त्रिपाठी आदि अधिवक्ता रहे।

निष्काम पूजन से होती है ईश्वर की प्राप्ति : आचार्य शांडिल्य

प्रतापगढ़। सांगीपुर इलाके के जूही शुकुलपुर गांव में संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन कथाव्यास आचार्य सुभाष शांडिल्य जी महराज ने कहा कि जिस घर में स्त्री,गाय और माता पिता का सम्मान नही होता है उस घर में सुख-शांति और समृद्धि का अभाव रहता है। उन्होंने कर्म और भाग्य को रेखांकित करते हुए कहा ईश्वर कर्म के अनुसार भाग्य का निर्धारण करता है। ईश्वर जो भी फल प्रदान करे उसी में संतोष करना चाहिए। कथा व्यास ने कहा कि परमात्मा की प्राप्ति निष्काम भाव व सच्चे मन से आराधना करने पर ही सम्भव है। भागवत सुख, समृद्धि व वैभव प्रदान करने के साथ ही मानव को मोक्ष प्रदान करता है। उन्होंने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन करते हुए पूतना चरित्र का वर्णन किया। कथा के दौरान कथा ने भगवान श्रीकृष्ण की विविध बाल लीलाओं का मनोहारी वर्णन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। वहीं संगीतमयी भजन की प्रस्तुति से श्रोता मंत्रमुग्ध नजर आये। मुख्य यजमान सतीशचंद्र शुक्ल ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। संयोजक मनीष शुक्ल ने सभी के प्रति आभार जताया। इस मौके पर भाजपा नेता के के सिंह,आचार्य बृजबिहारी मिश्र, कैलाशपति मिश्र, समाजसेवी फूलचंद्र पांडेय,अभिताभ शुक्ल, देवीप्रसाद मिश्र, कृष्णराज वैद्य, विवेक शुक्ल अप्पू,धनंजय मिश्र,अनुज शुक्ल, अवधेश शुक्ल,करुणापति मिश्र,पवन मिश्र श्प्रखरश योगेन्द्र पांडेय,सुधांसु मिश्र, सुरेशचंद्र शुक्ल ,गौतम मिश्र आदि मौजूद रहे।

शिक्षामित्र की आकस्मिक निधन पर विभाग ने घर पहुंचकर की आर्थिक मदद

पट्टी। शिक्षामित्र की आकस्मिक मृत्यु हो गई थी।शिक्षा विभाग ने मृतका के घर पहुंचकर परिवार को आर्थिक मदद उपलब्ध कराई है। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के घरहिया गांव निवासी कमला पत्नी राम जीत पांडे वर्ष 2006 से प्राथमिक विद्यालय घरहिया में शिक्षामित्र के पद पर कार्यरत थी। जिनका बीते 23 मार्च को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। गुरुवार को खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार तिवारी, प्रधानाध्यापक प्रशांत के साथ, श्रद्धा वर्मा, दया सिंह, संतोष कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह यादव समेत तमाम शिक्षक उनके आवास पर पहुंचे। परिवार को चेक प्रदान कर आर्थिक मदद उपलब्ध कराई।

भगवान की आराधना से मिलता है जीवन का समस्त पुण्य : संजय कृष्ण

लालगंज। लक्ष्मणपुर के समीप रामपुर भेडियानी में मानव कल्याण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित सप्तम नौ दिवसीय श्रीराम कथा विश्राम दिवस पर कथाव्यास संजय कृष्ण जी महाराज ने बताया कि हनुमान जी महाराज जैसे ही संपाती के बताने पर लंका के लिए निकलते है रास्ते मे सुरसा को पार कर लंकिनी का कल्याण करके विभीषण जी से मिलते है और माता सीता का पता लगाते है और कौतुक बश खेल खेल मे लंका को तहस नहस कर देते है। उन्होनें बताया कि हनुमान जी ने प्रभु श्रीराम को चूडामणि देकर सारा हाल सुनाते है और फिर बाहर भालुओ की सेना के साथ लंका को प्रस्थान करते है और समुद्र पर पुल बनाकर लंका पहुंच जाते है। उन्होनें बताया कि भगवान अंगद को शांतिदूत बनाकर भेजते है और फिर भी रावण नही माना और प्रभु श्रीराम ने रावण का समस्त कुटुंब सहित समाप्त कर माता सीता को वापस लेकर विभीषण को राजगद्दी सौंपकर पुनः अयोध्या अपने धाम को पुष्पक विमान के द्वारा आते है। संयोजक पं श्यामशंकर पाण्डेय, शिवनारायण पाण्डेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश मिश्र मदन, संरक्षक डा हरिश्चंद्र शुक्ल, संचालक कृष्णदेव शुक्ल, शिव त्रिपुरारी पाण्डेय ने अंगवस्त्रम देकर कथाव्यास व आचार्यों का सम्मानित किया। आभार संयोजक पं श्यामशंकर पाण्डेय ने किया। संचालन भजन गायक पं सतीशचंद्र पाण्डेय ने किया। इस मौके पर शिव नारायण पाण्डेय, आशुतोष त्रिपाठी, अशोक मिश्र, विनोद शुक्ल, सुरेश मिश्र, रामलखन मिश्र, पप्पू तिवारी, अंकित गुप्ता बजरंगी, संजय शुक्ल आदि रहे।

किसान की हत्या के विरोध में ग्रामीणों ने किया उग्र प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

घर से बुलाकर ले गए किसान की हत्या कर चित्रकूट जनपद में फेंक शव

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी के टीकरडीह गांव से एक किसान को बुलाकर चार पहिया वाहन ले गए लोगों ने किसान की हत्या करने के बाद उसके शव को चित्रकूट जनपद में फेककर फरार हो गए हैं मामले की जानकारी जैसे ही घर परिवार को लोग लगी पूरे गांव में आक्रोश फैल गया और हत्यारो पर मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग को लेकर गुरुवार की दोपहर को पूरा गांव सड़क पर उतर आया सड़क जाम करने की जानकारी मिलते ही अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए और घटना स्थल पर पुलिस अधिकारियों समेत भारी पुलिस फोर्स पहुंच गई सड़क पर चक्का जाम कर रहे ग्रामीणों को काफी देर तक समझाने का प्रयास पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी कर रहे थे लेकिन हत्यारो पर मुकदमा दर्ज करने और हत्यारो की गिरफ्तारी करने की मांग पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण अड़े रहे सड़क पर चक्का जाम और प्रदर्शन किए जाने से रामबन गमन मार्ग पर यातायात बाधित हो गया और आम जनमानस परेशान हो गई कई घंटे तक सड़क पर यातायात बाधित रहा। बताते चलें कि कोखराज थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद भरवारी के टीकरडीह गांव निवासी दलित नरेश की जमीन पर इलाके के दबंग जबरिया कब्जा करना चाहते हैं जिसके चलते नरेश का विवाद चल रहा है जिन दबंग से जमीनी विवाद चल रहा था उन दबंगों ने बुधवार को नरेश को बुलाकर अपने चार पहिया गाड़ी में जबरिया बैठा लिया और नरेश को लेकर चित्रकूट चले गए नरेश घर वापस नहीं लौटा तो परिवार के लोग परेशान हो गए बुधवार की देर रात्रि परिवार के लोगों को जानकारी मिली कि नरेश की लाश चित्रकूट जनपद के रेल लाइन के पास पड़ी है परिवार के लोगों ने हत्या करके लाश ठिकाने लगाए जाने का आरोप लगाया और गुरुवार को गांव के सैकड़ो लोगों ने मंझनपुर के मुख्य मार्ग में बिसारा टावर के पास चक्का जाम कर आंदोलन शुरू कर दिया धरना प्रदर्शन और चक्का जाम में गांव के महिला पुरुषों के साथ छोटे-छोटे बच्चे भी आक्रोशित दिखाई पड़ रहे थे लोगों ने जमकर नारेबाजी की और घर से बुला कर ले जाने वालों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी कराए जाने की जिद पर आंदोलनकारी अड़े रहे ग्रामीणों के आंदोलन किए जाने की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भारी पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए और ग्रामीणों का समझने का प्रयास करते आंदोलन कर रहे ग्रामीणों को समझाने बुझाने का प्रयास कई घंटे तक अधिकारी करते रहे लेकिन हत्या करने वाले लोगों के विरुद्ध दर्ज करने उनकी गिरफ्तारी किए जाने की जिद पर ग्रामीण अड़े रहे जिससे पूरी तरह से आवागमन बाधित रहा।

दहेज हत्या से संबंधित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। मंझनपुर थाना पुलिस ने दहेज हत्या से संबंधित अभियुक्त को गिरफ्तार किया और उसके विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर हत्या अभियुक्त को जेल भेजा गया। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में उ0नि0 शैलेन्द्र कुमार तिवारी मय हमराह पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0 345/24 धारा 498ए/304बी भादवि व 3/4 डीपी एक्ट एवं 3(2)5 एससी/एसटी एक्ट से संबन्धित वांछित अभियुक्त सोनू पजापति पुत्र राजेश कुमार पजापति नि० ग्राम हिसामपुर बहरेमऊ उर्फ दुबरा थाना मंझनपुर को ग्राम हिसामपुर से गिरफ्तार किया गया।

गैर इरादतन हत्या अभियुक्त गिरफ्तार भेजा गया जेल

कौशाम्बी। संदीपनघाट थाना पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या अभियुक्त गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर कत्ल में प्रयुक्त सामान भी बरामद किया गया। उ०नि० अनुराग सिंह गैर इरादतन हत्या से संबन्धित वांछित अभियुक्त अंकित यादव पुत्र विजय सिंह उर्फ इन्ना नि० सिकन्दरपुर बजहां थाना संदीपनघाट को गुलाब देवी इंटर कॉलेज सिकन्दरपुर बजहां के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशादेही पर आलाकत्ल 01 अदद डण्डा बरामद किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को जेल भेजा गया।

थाना पुलिस से न्याय न मिलने पर एसपी से शिकायत

कौशाम्बी। एक सप्ताह पहले चरवा थाना क्षेत्र के चरवा उत्तर थोक निवासी सुरेश कुमार पुत्र स्व0 छोटेलाल की बकरी पर ट्रैक्टर चढ़ाए जाने और उलाहना देने पर उसको गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपियों पर कार्रवाई न होने से परिवार के लोग परेशान हैं बताते चलें कि एक सप्ताह पहले घर के बाहर बंधी बकरी पर ट्रैक्टर चालक ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया था जिससे बकरी की मौके पर मौत हो गई आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ थाने में शिकायती पत्र दिया गया लेकिन थाना पुलिस से न्याय नहीं मिल सका है। पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए पीड़ित ने बताया कि 24 मार्च को उसकी बकरी घर के बाहर बांधी थी तभी तेज रफ्तार में ट्रैक्टर जिसमें तेज आवाज में साउंड बज रहा था और चालक फोन का उपयोग कर रहा था जिसके चलते ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया। ट्रैक्टर अनियंत्रित होने से उसकी बकरी के ऊपर चढ़ गया जिससे बकरी की मौत हो गई है। जब इसकी शिकायत चरवा थाना में की गई तो शिकयत से भन्नाए राकेश पांडेय पुत्र कैलाश पांडे, रोहित पांडे पुत्र राकेश पांडेय पीड़ित के दरवाजे पर आए और उसके गर्दन को पकड़कर गाली-गलौज करने लगे गर्दन दबाकर जान से मारने का प्रयास कर रहे थे जब उसने इस बात का विरोध किया तो उन्होंने जातिसूचक गालियां दी और प्रार्थना पत्र वापस लेने की धमकी दी प्रार्थना पत्र वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

संगठन महासचिव के माता के देहांत पर जिला अध्यक्ष कांग्रेस ने किया शोक जाहिर

कौशाम्बी। जिला कांग्रेस कमेटी कौशाम्बी के संगठन महासचिव दीपक पाण्डेय रुबाबूजीर के माता जी का इलाज प्रयागराज अस्पताल में चल रहा था उसी दरमियान उनकी मृत्यु हो गई ! जिनका दाह संस्कार बिदनपुर गंगा घाट पर किया गया जिलाध्यक्ष गौरव पांडे ने चाची जी को नम आंखों से आखिरी विदाई दी,संगठन महासचिव के साथ कांग्रेस पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता इस दुख की घड़ी में उनके साथ शामिल है !शोक सभा के मौके पर जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, उदय यादव, जिला महासचिव मोहम्मद फरमान जिला सचिव श्याम सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केशरवानी, यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष अलकमा उस्मानी, नगर पंचायत अध्यक्ष निक्की पांडे,मोहम्मद असद, भय्यान भाई,सोनू यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन की अधूरी पड़ी पानी की टंकी

2024 में हर घर जल पहुंचाने का सपना हो रहा चकनाचूर

महेवाघाट कौशांबी जल जीवन मिशन में हर घर जल देने की योजना ठेकेदारों के कारनामों की भेंट चढ़ गयी है अधूरी टंकी और आधे बिछाए गए पाइपलाइन से गांव के लोगों को पानी नहीं मिला गांव के लोगो को आगे भी पानी मिलने की उम्मीद नहीं दिखाई पड़ रही है मामले की शिकायत जिला अधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री तक हुई है लेकिन इस योजना में ठेकेदार और विभाग के अधिकारियों का गठजोड़ इतना मजबूत है कि बड़े भ्रष्टाचार के बाद भी ना तो व्यवस्था में सुधार हुआ ना दोषियों को दंड मिल सका है जिले के सैकड़ो गांव में जल जीवन मिशन के दुर्दशा का यही आलम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षी हर घर जल हर घर नल का जल जीवन मिशन योजना मंझनपुर तहसील क्षेत्र के अलवारा गांव में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है ग्राम पंचायत अलवारा में बनने वाली पानी की टंकी का निर्माण अब तक अधूरा पड़ा है, जब कि सरकार का लक्ष्य 2024 तक हर घर को नल व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना था। ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी का निर्माण शुरू किया गया था, लेकिन ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत से काम अधर में लटका हुआ है रोड को खोद कर पाइपलाइन डाला गया था जिसमें बड़े-बड़े गड्ढे हैं आए दिन ग्रामीण गड्ढो में गिरकर चोटाहिल हो रहे हैं स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण कार्य में भारी लापरवाही बरती गई है और निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बावजूद पानी की टंकी पूरी नहीं हो सकी है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही गांव में पानी की किल्लत बढ़ गई है। ग्रामीणों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। गांव के लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की लापरवाही से यह योजना ठप पड़ी हुई है इस मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। प्रशासन की ओर से सिर्फ आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन ना तो निर्माण कार्य में तेजी आई है और ना ही किसी अधिकारी व ठेकेदारों पर कार्रवाई हुई गांव के लोगो ने कई बार स्थानीय अधिकारियों से इस मुद्दे की शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग कि है कि इस योजना में हुए भ्रष्टाचार की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि पानी की टंकी का निर्माण जल्द से जल्द पूरा हो सके।

मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले कर रहे है वक्फ बोर्ड बिल का विरोध : डिप्टी सीएम

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कड़ा स्थित सिद्ध पीठ मां शीतला के धाम में माता के दरबार मे मत्था टेका

कड़ा कौशाम्बी एक दिवसीय भ्रमण पर गुरुवार को अपने गृह क्षेत्र कौशाम्बी आये यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कड़ा स्थित सिद्ध पीठ मां शीतला के धाम में माता के दरबार मे मत्था टेका और देश के कल्याण की कामना की इसके बाद वह आपने पैतृक घर गांव पहुंचे और परिवार के लोगों से मुलाकात कर बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया जगह-जगह पर डिप्टी सीएम का स्वागत पार्टी नेताओं ने किया एक विशेष वार्ता के दौरान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वक्फ बोर्ड के विरोध पर देश में मुस्लिम तुष्टि करण की राजनीति करने वाले लोग इसे मनमानी कहेंगे। जो पारदर्शिता चाहते है जो भ्रष्टाचार से मुक्ति चहते है। जो गरीब मुसलमान 90 प्रतिशत लोगों का भला चाहते है । जो कुछ लोगों की जागीर बनकर वक्फ बोर्ड रह गया था। ये सब कांग्रेस की साजिश के चलते ऐसा हुआ था। कांग्रेस की साजिश के चलते जम्मू कश्मीर में 370 जैसा एक भारत माता के हाथ में हथकड़ी व पैर में बेड़ी पहनाने का काम कांग्रेस ने किया था। उसे भाजपा की नरेन्द्र मोदी सरकार ने हटाने का काम किया है। अयोध्या में राम जन्मभूमि में मंदिर बनाने का भी विरोध कांग्रेस ने ही किया था। पर भाजपा सरकार ने उसे बनवा दिया। कांग्रेस ने ट्रिपल तलाक बिल का भी विरोध किया था। पर भाजपा सरकार ने मुस्लिम महिलाओं के भले के लिए देश में ट्रिपल तलाक बिल पारित कर दिया। मौजूदा समय में वक्त बोर्ड में जमीनों पर खूब धांधली थी। भ्रष्टाचार था मनमानी थी। पर अब ऐसा नही होगा। जिला कलेक्टर की अगुवाई में जमीन की जांच होगी निगरानी होगी और सही पाया जायेगा तो वक्फ बोर्ड की जमीन होगी वरना नही होगी। वक्फ बोर्ड बिल में ऐसा ही बदल किया गया है। इसे राज्य सभा में जल्द पास करा दिया जाएगा जल्द से इसे लोक सभासद में पारित कराया गया है। गृह जनपद कौशांबी में माँ शीतला अतिथि गृह, सयारा में आज महात्मा गौतम बुद्ध चक्रवर्ती सम्राट अशोक महान, महाराजा बिजली पासी 'भारत रत्न' लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल'भारत रत्न' बाबासाहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र के प्रति समर्पित इन महानुभावों को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने नमन किया। इसके बाद पार्टी पदाधिकारी से वार्ता की और स्थितियों की जानकारी ली तथा अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

रामबन गमन मार्ग में अफसरो का खेल दूसरे का मकान में तीसरे का मुआवजा

कौशाम्बी। राम वन गमन मार्ग के चौड़े करण में गरीब कमजोर मजलूम के मकान को तोड़कर सड़क को चौड़ा किया जा रहा है। मकान तोड़ने के नाम पर गरीबों को मुआवजा देने का निर्देश सरकार ने दिया है लेकिन गरीबों का मकान तो तोड़ दिया जा रहा है पर उन्हें मुआवजा देने में अफसरों का खेल चल रहा है किसी के मकान में किसी दूसरे को मुआवजा देकर अफसर वसूली करने में लगे हैं जिससे गांव के गरीब कमजोर मजलूम परेशान हैं। अवैध वसूली के इस खेल में तमाम मामलों में मंझनपुर तहसील क्षेत्र के गरौली गांव की भगवनिया के मकान का उदाहरण अफसरो के कारनामे को बेनकाब करने के लिए पर्याप्त है भगवानिया के मकान के हिस्से का मुआवजा उसके देवर जगरूप को दे दिया गया है और अधिकारियों ने जगरूप के बैंक खाते में 2 लाख 87 हजार 105 रुपए गलत तरीके से ट्रांसफर कर दी है अब भगवानिया अपने हिस्से की रकम पाने के लिए बीते कई महीनो से अफसरो के चौखट पर फरियाद कर रही है लेकिन हेरा फेरी करके रकम हड़पने वाले पर मुकदमा दर्ज करा कर रकम वापस लेने का प्रयास अफसर नहीं कर रहे हैं। डीएम को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में भगवानिया पत्नी राम विशाल निवासी गरौली थाना महेवा घाट तहसील मंझनपुर जनपद कौशाम्बी ने कहा कि प्रार्थी का मकान राम वन गमन मार्ग के मुख्य सड़क पर है और रामवन गमन मार्ग के चौडीकरण में प्रार्थिनी का मकान आ रहा है मेरे मकान का मुआवजा मेरे देवर जगरूप को लेखपाल ने दिलवा दिया है जो गलत है और उसके बाद मेरा मकान गिराने का पूरा प्रयास हो रहा है। उसने 10 फरवरी 2025 25 मार्च को कलेक्ट्रेट में प्रार्थना पत्र भी दिया था लेकिन उसके बाद भी कोई निस्तारण नहीं हो सका। मकान के मुआवजा की सही रिपोर्ट लेखपाल द्वारा संबंधित विभाग को नहीं दी गयी है जिससे मुआवजा की रकम प्रार्थी को नहीं मिल पा रही है बल्कि मेरे देवर के हिस्से में मेरे मुआवजा की रकम दे दी गई जो मुझे नहीं दे रहा है। बीते 6 महीने से मैं मुआवजा की रकम लेने के लिए लेखपाल के आगे पीछे घूम रही हूं लेखपाल हर तीसरे दिन रिपोर्ट लगाने के लिए अपने पास बुलाता था फिर मोबाइल बंद कर देता है मुलाकात नहीं करता है और बाद में कहता है कि दो दिन बाद आना फिर तुम्हारी रिपोर्ट लगा देंगे यही रवैया उसका लगातार चलता रहता है प्रार्थी को मकान का मुआवजा नहीं मिल रहा है बल्कि फर्जी रिपोर्ट लगा देने से मेरे देवर को मेरे हिस्से के मकान का मुआवजा मिल गया है जिससे प्रार्थी नए स्थान में मकान नहीं बना पा रही है और इसके चलते मकान ध्वस्त हो जाने के बाद प्रार्थी के सामने रहने खाने की दिक्कत हो जाएगी। महिला के मकान गिराए जाने के पूर्व मकान का मुआवजा की रिपोर्ट लेखपाल से मंगवाकर मुआवजा की रकम प्रार्थी के बैंक खाते में दिलाई जाए जिससे प्रार्थी अपने रहने के लिए दूसरी जगह मकान का निर्माण कर सके।

राजकीय विद्यालय राला में छात्र प्रवेश सीटें सीमित

छात्रों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रधानाचार्य और शिक्षकों द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा हैं

कोखराज कौशांबी सिराथू तहसील के अन्तर्गत राला ग्राम पंचायत के डोलिया पर स्थित राजकीय हाईस्कूल में विद्यार्थियों का प्रवेश शुरू हो गया है प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में सीटें सीमित है इच्छुक छात्र व छात्रायें विद्यालय में प्रवेश ले सकते हैं राजकीय विद्यालय के कुशल लोक सेवा आयोग से प्रशिक्षित अध्यापक विभिन्न प्रकार के परीक्षाओं से चयनित अध्यापकगण वा प्रधानाचार्या श्री मती प्रतिभा रानी संस्कृत में पी एच डी के कुशल निर्देशन में शास्त्रीय संगीत व गायन में दक्ष छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में खेलकूद व भोजन आदि की भी उचित व्यवस्था है छात्राओं के आत्म सुरक्षा के लिए जूडो कराटे के प्रशिक्षण के लिए भी उचित व्यवस्था विद्यालय में है छात्रों के बहुमुखी विकास के लिए शैक्षणिक भ्रमण भी विद्यार्थियों को कराया जाता है इसके साथ-साथ बैठने के लिए बेहतरीन फर्नीचर,पंखे की व्यवस्था खेल खेलने का सामान पीने का आरओ.पानी की उचित व्यवस्था विद्यालय में की गई है छात्रों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रधानाचार्य और शिक्षकों द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा हैं छात्रों को माह में 3 प्रतियोगी परीक्षा व अनुशासित शिष्टाचार प्रेरणा प्रधानाचार्या के नेतृत्व में बच्चों के भविष्य के लिए विद्यालय के सह अध्यापक व अध्यापिकाओं द्वारा दिया जाता है उन्होंने बताया कि विद्यालय में सतर्क सुरक्षात्मक सहयोग निर्वाहन कराया जाता है।

जूही श्रीवास्तव ने भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में प्रधानाचार्य पद पर किया कार्यभार ग्रहण

मैं स्वयं एक कर्मठ एवं अनुभवी महिला हूं शिक्षा के चलते किसी भी प्रकार का कोई समझौता अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करूंगी : प्रधानाचार्य

भरवारी कौशाम्बी भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी में 3 अप्रैल को शिक्षाविद्,तेजतर्रार और अनुभवी श्रीमती जूही श्रीवास्तव ने नवनियुक्त प्रधानाचार्य के रूप में पद ग्रहण किया इस मौके पर पूर्व कमिश्नर आर.एस.वर्मा एवं भारतीय विद्या भवन मुंबई के सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ कॉलेज की रजिस्ट्रार श्रीमती पल्लवी मोराजी की उपस्थिति में भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी के निदेशक संदीप सक्सेना ने श्रीमती जूही श्रीवास्तव को प्रधानाचार्य पद पर ज्वाइन कराया इस अवसर पर आर्यकन्या डिग्री कॉलेज प्रयागराज की हिंदी प्रमुख डॉ.कल्पना वर्मा,संगम इंटरनेशनल स्कूल प्रयागराज की प्रधानाचार्या श्रीमती स्मिता खरे,भवंस मेहता डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो.प्रबोध श्रीवास्तव तथा अनेक गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहे जिनका निदेशक संदीप सक्सेना ने मोमेंटो एवं साल ओढ़ाकर स्वागत किया।नव नियुक्त प्रधानाचार्य श्रीमती जूही श्रीवास्तव ने पत्रकारों के समूह को अपने प्रथम संबोधन में संबोधित करते हुए बताया कि मेरी पहली प्राथमिकता भवंस मेहता विद्याश्रम भरवारी के समस्त अभिभावकों,छात्रों एवं अध्यापकों के बीच एक अच्छे कोऑर्डिनेशन एवं बेहतर माहौल के साथ संस्कारित शिक्षा दिलाने का है जिसके लिए उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को अहम बताते हुए एक साथ मिलकर भवंस मेहता विद्याश्रम जो कि एक बहुत ही ख्यातिप्राप्त संस्था है उसको आगे बढ़ाने में सहयोग की अपील किया।साथ ही आज आए हुए समस्त अतिथियों का स्वागत करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। पूर्व के समय में बच्चों के रहने के लिए चलने वाले हॉस्टल के संबंध में जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरा आज प्रथम दिन है कुछ दिनों में मेरा प्रयास आप लोगों के समक्ष दिखाई पड़ेगा पढ़ाई के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि मेरा प्रथम प्रयास होगा कि शिक्षक एवं छात्र-छात्रा में जो भी प्रश्न उत्तर होगा वह सिर्फ इंग्लिश टू इंग्लिश में जवाब देना होगा उसमें कोई भी शिक्षक हिंदी में वार्तालाप नहीं करेगा तीसरे सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि स्कूल के छात्र संख्या कॉलेज की गिरते साख किसी चुनौती से कम नहीं है उन्होंने कहा कि मैं स्वयं एक कर्मठ एवं अनुभवी महिला हूं शिक्षा के चलते किसी भी प्रकार का कोई समझौता अनुशासन हीनता बर्दाश्त नहीं करूंगी।

न्यूज झरोखा

ककोढा कम्पोजिट विद्यालय में स्कूल चलो अभियान की निकाली गई रैली

कोखराज कौशांबी सिराथू तहसील के अन्तर्गत कम्पोजिट विद्यालय द्वितीय ककोढा में गुरुवार को गांव के बच्चों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान के तहत रैली निकाली गई जिले के आला अधिकारियों के आदेश पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप पांडेय अपने अधिनस्थ अध्यापक व अध्यापिकाओं के साथ स्कूल चलो रैली के अभियान में शामिल होकर विद्यालय के छात्र ,छात्राओं के साथ ग्राम पंचायत में घूम घूमकर स्कूल चलों अभियान नाम से शिक्षा के प्रति जागरूकता अभियान बढाने का संदेश दिया झंडा बैनर हाथ में स्लोगन लिखे दफ़्ती लेकर छोटे-छोटे बच्चों ने स्कूल चलो अभियान की शुरूआत की पूरे गांव में सब पढ़े सब बढ़े का नारा लगाया गया इस रैली में सह अध्यापक रहमत अली, इम्तेयाज अली, श्रीमती वीनू रानी, श्रीमती रंजना सिंह, संजय प्रसाद, श्री मती पुष्पा दिवाकर, व्योमश मिश्र, रमेश तिवारी आदि शिक्षक उपस्थित रहें।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईएमटी दिवस

कौशाम्बी जनपद मुख्यालय मंझनपुर स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में बुधवार को 102 एम्बुलेंस और 108 एंबुलेंस के कर्मचारियों ने बड़े धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ ईएमटी दिवस मनाया है और इस मौके पर ईएमटी दिवस के बारे में एंबुलेंस कर्मचारी ने विस्तार से चर्चा की है इस मौके पर ईएमटी कर्मचारियों द्वारा केक काट कर जश्न मनाया गया और लोगों को केक और मिठाईयां खिलाई गई प्रत्येक वर्ष 2 अप्रैल को ईएमटी दिवस मनाया जाता है इस मौके पर प्रोग्राम मैनेजर ओम प्रकाश और ईएमटी के सभी पायलट शिवांश, जयसिंह सोनाली, अभिषेक आदि लोग मौजूद रहे।

प्रा. विद्यालय अलवारा में स्कूल चलो अभियान की निकाली गई रैली

महेवाघाट कौशाम्बी मंझनपुर तहसील क्षेत्र के अलवारा स्थित प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को स्कूल चलो अभियान की रैली निकाली गई गांव के बच्चों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान के तहत स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों द्वारा रैली निकाली गई विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह अपने सहयोगी अध्यापक व अध्यापिकाओं के साथ स्कूल चलो रैली के अभियान में शामिल होकर विद्यालय के छात्र ,छात्राओं के साथ ग्राम पंचायत में घूम घूमकर स्कूल चलों अभियान नाम से शिक्षा के प्रति जागरूकता अभियान बढाने का संदेश दिया झंडा बैनर हाथ में स्लोगन लिखे दफ़्ती लेकर छोटे-छोटे बच्चों ने स्कूल चलो अभियान की शुरूआत की पूरे गांव में सब पढ़े सब बढ़े का नारा लगाया गया इस रैली में सह अध्यापक भूपेन्द्र सिंह, प्रमोद कुमार, श्रीमती सरस्वती देवी,श्रीमती कमला देवी,शिक्षक उपस्थित रहे

मुख्य विकास अधिकारी ने कराई क्रॉप कटिंग

भरवारी कौशांबी ब्लॉक मूरतगंज अंतर्गत ग्राम परसरा में मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव के अनिवार्य निरीक्षण में गेहूं की क्रॉप कटिंग संपन्न हुई जिसमें थ्रेशरिंग के बाद फसल उपज के आंकड़े लिए गए फसल की उपज प्रयोग 1 में 23.500 किग्रा व प्रयोग 2 में 20.200 किग्रा रही।मौके पर राजस्व निरीक्षक सरफराज हुसैन राजस्व लेखपाल छवि राम सिंह जिला समन्वयक फसल बीमा योगेश वर्मा कृषक मोहित मिश्रा बलराम रामसजीवन आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

अषाढा व्यापार संगठन के अध्यक्ष अनिल वर्मा और नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने शैलेंद्र मौर्य

पश्चिम शरीरा कस्बे में हुआ व्यापारी मिलन समारोह कार्यक्रम

महेवाघाट कौशांबी ।पश्चिम शरीरा कस्बे में बुधवार की शाम पश्चिम शरीरा राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के पदाधिकारियों ने व्यापारी मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि संगठन के जिलाध्यक्ष अरविंद केशरवानी एवं जिला उपाध्यक्ष राकेश केसरवानी का व्यापारियों ने फूल- मालाओ से स्वागत किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन की कस्बे में साप्ताहिक बैठक करे और व्यापारी भाइयों को किसी तरह की कोई समस्या होती है तो संगठन के पदाधिकारियों को बताकर जिसका संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा समाधान कराया जाएगा और सभी लोग एकजुट होकर संगठन का विस्तार करें। पश्चिम शरीरा राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष जितेंद्र कौशल ने कहा कि व्यापारी भाइयों के लिए हरदम मौजूद रहता हूं और अगर कोई समस्या होती है तो उसकी सूचना दे। इसी क्रम में अषाढा व्यापार मंडल से अनिल वर्मा को नगर अध्यक्ष एवं शैलेंद्र मौर्य को नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष वा अरविंद कुमार वर्मा नगर महामंत्री आशीष केसरवानी नगर उपाध्यक्ष सोनू अग्रहरी को नगर मंत्री घोषित किया गया ।इस दौरान महामंत्री विनोद केशरवानी,नीरज बनारसी, शिवशंकर, रवि,दिनेश कुमार गुड्डू, मनोज जायसवाल, रमन केसरवानी, संस्थापक राजेश केशरवानी, संतोष कौशल, भैयालाल केशरवानी, रामयश केशरवानी सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

पश्चिम शरीरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए वारंटी अभियुक्त

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना में तैनात उ०नि० राकेश राय मय हमराह पुलिस बल द्वारा घर में घुसकर छेड़खानी मारपीट गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी देने वाले अभियुक्त लाल चन्द्र पुत्र दुगार्पाल, रामबहादुर पुत्र दुगार्पाल नि०गण बरौली को गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

सावधानी बरतें, लू से बचें : एसडीएम

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार ने सावधानी बरतें लू से बचें के सम्बन्ध में एडवाइजरी जारी किया क्या करें-घर से बाहर निकलते समय गमछा, टोपी, चश्मा एवं छाते का प्रयोग करें। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े तथा कड़ी धूप से बचें। पर्याप्त मात्रा में तरल पेय पदार्थ जैसे छाछ, लस्सी, नमक चीनी का घोल, नीबू का पानी एवं आम के पने का सेवन करें। प्यास की इच्छा न होने पर भी पानी बार-बार पियें। निर्जलीकरण से बचने के लिए ओ0आर0एस0 घोल का प्रयोग करें। यात्रा करते समय पानी हमेशा साथ में रखें। संतुलित हल्का व नियमित भोजन करें। वृद्धों, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें। अधिक परिश्रम के बीच में आराम भी करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपड़ों से पीछे अथवा नहलायें या शरीर के ऊपर पानी का स्प्रे करें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्राशिक्षण दें। जानवरों को छाया में बांधे और उन्हें पर्याप्त पानी पिलायें।क्या न करें- चाय, कॉफी एवं शराब का सेवन न करें। तेज धूप में बाहर न निकलें। अधिक गर्मी में व्यायाम न करें।धूप में खड़े वाहनों में बच्चों एवं पालतू जानवरों को न छोड़ें। अधिक प्रोटीन वालें तथा बासी खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

सम्पादकीय

नया वक्फ कानून: ध्रुवीकरण है मकसद

अपने ध्रुवीकरण के एजेंडे की तरफ एक और बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में कार्यरत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) की सरकार उस वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक, 2024 को संसद में पारित कराने की कगार पर है जिसके जरिये मुस्लिमों के मामलों में अब सरकार की सीधी दखल का रास्ता खुल जायेगा। वक्फ संशोधन विधेयक बुधवार 12 बजे लोकसभा में पेश किया गया और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक लोकसभा में इस पर चर्चा जारी थी। आंकड़े सरकार के पक्ष में होने के कारण इसे पारित कराने में उसे कोई दिक्कत नहीं होगी ऐसा माना जा रहा है, क्योंकि सदन में जेडीयू और टीडीपी दोनों ने इस विधेयक में भाजपा का साथ दिया है। सरकार इस कानून को चाहे मुस्लिमों के हित में लाया गया कानून बता रही हो, लेकिन यह देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक वर्ग की धार्मिक आजादी पर बड़ा हमला है जिसके कारण सदन के भीतर धर्मनिरपेक्षता व लोकतंत्र में भरोसा रखने वाली तमाम पार्टियों तथा बाहर मुस्लिम संगठनों का इसे लेकर बड़ा विरोध हो रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और तमाम मुस्लिम संगठन इसका तभी से विरोध कर रहे हैं जब इसे पहली बार पिछले वर्ष 8 अगस्त को संसद में पेश किया गया था। प्रबल विरोध के चलते पहले तो इसे एक संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा गया था, परन्तु उस समिति की संरचना ऐसी थी जिसमें सरकार का बहुमत था। मुसलमानों की राय तथा विपक्ष के सुझावों को नजरंदाज कर संशोधन विधेयक को बुधवार को लोकसभा में प्रस्तुत किया गया।

देश भर में मस्जिदों के रखरखाव हेतु रखी गयी सम्पत्ति यथा जमीनों, दुकानों पर सरकार का नियंत्रण व आधिपत्य का मार्ग प्रशस्त करने वाला यह कानून इसलिये निराशाजनक है क्योंकि इसका मकसद मस्जिदों व मुस्लिमों को उनके धार्मिक-सामाजिक कामों के लिये होने वाली आय से वंचित करने वाला है। मस्जिदों के निर्माण हेतु मिली जमीन का वैसे तो कोई मालिक नहीं होता और माना जाता है कि इसका मालिक अल्लाह होता है। मस्जिद कमेटी इसकी देख-रेख करती है। सरकार या प्रशासन द्वारा यह काम अपने हाथ में लेने का अर्थ है मुस्लिमों की धार्मिक मान्यता व कार्यपद्धति को सिरे से नकारना जिसके कारण इस विधेयक का व्यापक विरोध हो रहा है।

यह भी आशंका है कि लगभग हर शहर में वक्फ के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली जमीनों के लिये सिविल के मुकदमे प्रारम्भ हो जायेंगे-फिर चाहे वे भाजपा सरकारों की ओर से हों अथवा उससे जुड़े संगठनों द्वारा दायर किये जायें। जो भी हो, यह तय है कि इस कानून से हिन्दुओं और मुस्लिमों के बीच की खाई और भी गहरा सकती है। पहले से देश भर में मस्जिदों को लेकर हो रहे विवादों की संख्या में इस कानून के अस्तित्व में आ जाने से और भी इजाफा होना तय है। हालांकि सरकार का दावा है कि इससे वक्फ से जुड़ी सम्पत्तियों का बेहतर प्रबन्धन हो सकेगा, पर सरकार की मंशा साफ है। वह मुस्लिमों की ताकत को कमतर करने तथा उसकी परिसम्पत्तियों पर कब्जा करना चाहती है।

लोकसभा में अभी सीटों की संख्या सीमित रखने का समय

- नन्तू बनर्जी

भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है। राजनीतिक दल कानून बनाने के मंच का इस्तेमाल करके मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के बजाय विधानमंडल में सीटें हथियाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्हें मौजूदा कानूनों की प्रभावशीलता पर चर्चा और बहस करनी चाहिए।

अगर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े संघीय लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में, प्रतिनिधि सभा में सीटों की संख्या 1913 से 435 तक सीमित रह सकती है, तो भारत के प्रत्येक राज्य में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए सीटों की संख्या और प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं को जनसंख्या वृद्धि के अनुसार नये सिरे से तय करने के लिए नवीनतम परिसीमन अभ्यास को उचित ठहराने का कोई कारण नहीं है। देश अब कई वर्षों के अंतराल के बाद जनगणना अभ्यास से गुजर रहा है। वास्तव में, भारत को इस बात पर अधिक चिंतित होना चाहिए कि अपनी जनसंख्या वृद्धि को कैसे नियंत्रित किया जाये और अपने विधानमंडलों को वास्तव में मतदाताओं के लिए योगदान देने वाला कैसे बनाया जाये।

दो साल पहले, भारत ने दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पीछे छोड़ दिया। यह इस तथ्य के बावजूद है कि चीन भूमि क्षेत्र के मामले में भारत से लगभग तीन गुना बड़ा है। आदर्श रूप में, भारत को इस बात पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए कि वर्तमान जनगणना अभ्यास के बाद वास्तविक समय में देश के आर्थिक विकास से जनता को लाभान्वित करने के लिए जनसंख्या के आकार को कैसे नियंत्रित किया जाये। परिसीमन अभ्यास को पीछे रखना चाहिए।

देश की लोकसभा बिना बैक बेंचर्स की अतिरिक्त संख्या में अच्छा प्रदर्शन करेगी, जो सार्वजनिक मुद्दों को उठाकर और बहस में भाग लेकर संसद की कार्यवाही में बहुत कम योगदान देते हैं। लोकसभा और विधानसभाओं के लिए प्रत्येक राज्य में सीटों की संख्या और क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं इन सदनों में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के लिए आरक्षित सीटों का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। हालांकि संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में यह प्रावधान है कि प्रत्येक जनगणना के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों की संख्या और साथ ही क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों में इसके विभाजन को फिर से समायोजित किया जायेगा। राज्य विधानसभाओं और संसद में सीटों की संख्या को स्थिर करने के लिए उन्हें संशोधित करने की आवश्यकता है। अतीत में, 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद इस तरह की कवायद की गयी थी।

अमेरिका में, निचले सदन में सीटों की संख्या 1913 से स्थिर बनी हुई है, हालांकि देश की आबादी पिछले साल 940 लाख से लगभग चार गुना बढ़कर लगभग 3400 लाख हो गयी है। अमेरिकी कांग्रेस ने 1911 के एपोर्शनमेंट एक्ट के बाद से सदन के प्रतिनिधियों की संख्या 435 पर सीमित कर दी थी, सिवाय 1959 में हवाई और अलास्का को राज्यों के रूप में स्वीकार किये जाने के दौरान 437 तक की अस्थायी वृद्धि के।

पिछली सदी में, 1910 की जनगणना के बाद से अमेरिकी कांग्रेस के जिलों का आकार तीन गुना से भी अधिक हो गया है, जिसमें प्रति जिले लगभग 212,000 निवासी सूचीबद्ध हैं। प्रत्येक राज्य के लिए सदन के सदस्यों की संख्या संघीय कानून में एक सांख्यिकीय सूत्र के अनुसार निर्धारित की जाती है। प्रत्येक राज्य अपने जिलों के आकार को डिजाइन करने के लिए

जिम्मेदार होता है, जब तक कि वह 1965 के मतदान अधिकार अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के अनुरूप हो, जो नस्लीय अल्पसंख्यकों के मतदान और प्रतिनिधित्व अधिकारों की रक्षा करना चाहता है।

भारत को अपनी संसद और राज्य विधानमंडल के सदस्यों की गुणवत्ता में सुधार करने की सख्त जरूरत है। राजनीतिक दल कानून बनाने के मंच का इस्तेमाल करके मौजूदा जरूरतों को पूरा करने के बजाय विधानमंडल में सीटें हथियाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। उन्हें मौजूदा कानूनों की प्रभावशीलता पर चर्चा और बहस करनी चाहिए, अगर जरूरी हो तो उनमें संशोधन करना चाहिए और नये मुद्दों से निपटने के लिए नये कानून पेश करने चाहिए। विधानमंडल में सीटें हथियाने के लिए ये राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक रूप से मूर्ख लोकप्रिय फिल्मी सितारों और मनोरंजन जगत की हस्तियों को भी भर्ती करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। ऐसे प्रतिनिधि अक्सर अपने पूरे कार्यकाल के दौरान कार्यवाही में कोई योगदान दिये बिना संसद में सीटें लेते देखे जाते हैं।

लोकसभा के 30 प्रतिशत सदस्य भी सक्रिय भागीदारी की इच्छा नहीं दिखाते हैं। कभी-कभी, कुछ लोग विधानमंडल में गरमागरम बहस से विचलित हुए बिना सो जाते हैं। एक राजनीतिक दल के लिए जो मायने रखता है वह संसद में उसकी संख्या है और शायद इसके अलावा कुछ भी नहीं। विधानमंडल में सीटें बढ़ाने के लिए परिसीमन अभ्यास दुर्भाग्य से केवल संख्या पर केंद्रित हो सकता है। इसे रोकने की जरूरत है। इसके अलावा, यह कवायद कम या नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि वाले राज्यों को दंडित कर सकती है और देश की जनसंख्या विस्फोट में योगदान देने वालों को पुरस्कृत कर सकती है। यह शायद ही स्वीकार्य हो।

लोकसभा सहित देश के विधायिकाओं के सदस्य अपने कार्यों में बहुत कम सुधार करके देश को भारी कीमत चुकाने को मजबूर कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक सांसद के खजाने पर प्रति वर्ष 600 लाख रुपये से अधिक का खर्च आ सकता है, जिसमें वेतन, भत्ते और अन्य खर्च और एमपीएलएडी (संसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना) शामिल हैं। पिछले हफ्ते ही, केन्द्र सरकार ने अप्रैल 2023 से प्रभावी, सांसदों के लिए 24 प्रतिशत वेतन वृद्धि को मंजूरी दी। वास्तव में, संसद सदस्य का मुख्य काम 'संघ सूचीइ के मामलों पर कानून बनाना या संशोधनों के माध्यम से उन्हें संशोधित करना और केंद्र सरकार को जवाबदेह ठहराना है।

पिछले पांच दशकों से भारतीय संसद 543 लोकसभा सांसदों के साथ काम कर रही है, जबकि देश की आबादी 55करोड़ से बढ़कर 145 करोड़ हो गयी है। अगले तीन दशकों में भारत की आबादी 165-170 करोड़ के आसपास होने का अनुमान है, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने 2060 तक चीन की आबादी 121 करोड़ के आसपास होने का अनुमान लगाया है। 1979 से 2015 तक लागू की गयी चीन की वन-चाइल्ड पॉलिसी ने अधिकांश परिवारों को एक बच्चे तक सीमित करके देश की जनसंख्या वृद्धि को रोकने में मदद की।

भारत सरकार इस तरह से सोच सकती है या ऐसी प्रणाली का पालन कर सकती है जो छोटे परिवारों को पुरस्कृत करती है और अधिक बच्चे पैदा करने वालों को उनकी सामाजिक और वित्तीय बाधाओं की अनदेखी करते हुए दंडित करती है। इन परिस्थितियों में, जनसंख्या के आकार को ध्यान में रखते हुए विधायिका का विस्तार एक गलत कदम होगा। यह उन राज्यों को अजीब स्थिति में डाल देगा, जिनका जनसंख्या प्रबंधन रिकॉर्ड अच्छा है, जबकि अन्य अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि दिखा रहे हैं। हाल के वर्षों में, भारत के कुछ अत्यधिक आबादी वाले राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आंध्र प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, पंजाब और पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित सभी राज्यों में जनसंख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गयी है। केंद्र और राज्यों दोनों के लिए यह अच्छा होगा कि वे जनसंख्या वृद्धि के बावजूद विधानमंडल के आकार को सीमित रखें ताकि विधानमंडलों का समुचित संचालन सुनिश्चित हो सके। परिसीमन की प्रक्रिया अभी रुक सकती है।

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहीम का आह्वान

-ललित गर्ग-

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिये विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गमार्ये, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरूआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दशार्ते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान

करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल ह्यअखंड भारतह्ण के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दशार्ते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

नीला ड्रम, स्टोव बनाम स्त्री विमर्श

- सर्वमित्रा सुरजन

पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चैनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है।

मेरठ में सौरभ हत्याकांड के बाद नीला ड्रम काफी चर्चा में आ गया है। सौरभ की पत्नी मुस्कान ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर हत्या की थी और फिर सौरभ के शव के 15 टुकड़े कर के उसे एक ड्रम में भरा और ऊपर से सीमेंट डाल दिया था। फिलहाल दोनों आरोपी जेल में हैं और पुलिस इस मामले की हर कोण से जांच कर रही है। शुरूआत में इसमें तांत्रिक क्रिया के होने का संदेह था, लेकिन इससे पुलिस ने इंकार कर दिया है। यानी यह हत्याकांड गलत तरीके से चल रहे प्रेम संबंध की परिणति है। हत्या के बाद शव के टुकड़े करने जैसा वीभत्स काम कोई पहली बार नहीं हुआ है, न ही अवैध प्रेम संबंध के चलते पति या पत्नी में से किसी एक की हत्या की घटना पहली बार हुई है। ऐसे कई खौफनाक अपराध इसी समाज में घट चुके हैं। याद करें तो नैना साहनी को मारकर तंदूर में डाल दिया गया था। इंद्राणी मुखर्जी ने अपनी ही बेटी की हत्या करवा कर उसकी लाश को जंगल में फिंकवाया था और हत्या के पहले अपनी बेटी को वह छोटी बहन बताती थी। अभी पिछले ही साल गोवा के एक होटल में एक मां ने अपने 4 साल के बेटे की हत्या कर दी। इसके बाद शव को बैग में भरकर टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। इन घटनाओं को याद करना दुखद है, लेकिन उससे भी दुखद बात ये है कि ऐसी एक घटना के धब्बे हल्के पड़ते नहीं कि, दूसरा भयावह प्रसंग खड़ा हो जाता है। इस तरह की खबरों पर अक्सर समाचारों में लिखा जाता है कि समाज दहल गया, सिहर गया, चौंक गया आदि, लेकिन क्या वाकई समाज में अब संवेदनशीलता बाकी रह गई है। क्योंकि संवेदनाएं होती तो ऐसी खबरों की अधिकता न होती।

पहले इन घटनाओं को मनोहर कहानियां जैसी पत्रिकाओं में स्थान मिलता था। फिर न्यूज चैनलों के अपराध बुलेटिनों में इनका नाटकीय रूपांतरण होने लगा। अब सोशल मीडिया इन खबरों के अधिकाधिक प्रसारण के लिए माकूल मंच बन गया है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा जाता है, लेकिन अब सोशल मीडिया को समाज का आईना कहा जा सकता है। लोगों के वक्त का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखने या पढ़ने में चला जाता है। समाज में कहीं कोई घटना घटी नहीं कि फौरन उस पर मीम्स, रील्स बनकर वायरल हो जाते हैं। अब तो ग्रोक की मदद से तरह-तरह के सवाल पूछे जा रहे हैं और हर कोई घिबली आर्ट से अपना एनिमेटेड अवतार बना रहा है। सोशल मीडिया पर इस तरह के चलन कई बार चलते हैं। एक लहर सी आती है, समाज उसमें बहने लगता है, फिर वो लहर लौटती है, पीछे जो कचरा बच जाता है, उसे साफ करने का कोई उपाय नहीं रहता, तब तक दूसरी लहर आ जाती है। इसी तरह सोशल मीडिया के समुद्र में समाज गोते लगा रहा है। लेकिन तटस्थ होकर सोचें तो सोशल मीडिया में हम असल मायनों में सोशल होने की पहचान को ही खोते जा रहे हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है तो समाज की भलाई की चिंता उसे होनी चाहिए। लेकिन अभी समाज किस दिशा में जा रहा है, इसकी कोई परवाह ही नहीं हो रही है। खबरों पर फौरन प्रतिक्रिया देने या उसे वायरल करने या जरूरत से ज्यादा वक्त उस पर बिताने में हम भूल रहे हैं कि इन सबका कितना नुकसान समाज को हो रहा है। सोशल मीडिया कई जरूरी मुद्दों और विमर्शों को भी भटका रहा है।

जैसे सौरभ हत्याकांड के बाद चर्चा में आए नीले ड्रम का जिक्र मैंने किया। खबर आई कि मेरठ के व्यापारी अब नीला ड्रम खरीदने वालों से पहचान पत्र भी मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि अब नीले की जगह लोग सफेद या नारंगी रंग के ड्रम खरीद रहे हैं। इसी तरह हापुड़ की खबर आई कि एक व्यक्ति ने पुलिस से गुहार लगाई कि उसे बचा लिया जाए, उसकी पत्नी के अवैध संबंध हैं और वो सौरभ की तरह उसे मार सकती है। ग्वालियर में भी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के खिलाफ इसी तरह की शिकायतें दर्ज कराईं, हालांकि महिला थाना में पत्नी ने पति के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया हुआ है। पन्ना में तो एक पति ने अपनी पत्नी पर मारपीट करने के इल्जाम लगाए और बतौर सबूत छुपे हुए कैमरे से रिकार्डिंग भी पेश की, जिसमें पत्नी पति को मारती हुई दिख रही है।

इन सारी घटनाओं में कितना सत्य है और असल में पीड़ित कौन है, इसका पता तो जांच के बाद ही चलेगा। लेकिन इतना तय है कि विवाह संस्था पर अब पहले से अधिक खतरे बढ़ गए हैं। रिश्तों में दरारें पड़ना अचरज की बात नहीं है, लेकिन अब उन दरारों से जो आधी-अधूरी सच्चाई के साथ सनसनीखेज खबरें बाहर आ रही हैं, उसे लेकर समाज को फिक्रमंद होना चाहिए, क्योंकि आखिर में तो ये घटनाएं हमारा ही अक्स दिखा रही हैं। उपरोक्त तमाम घटनाओं में गौर करने की बात ये है कि पीड़ित पक्ष पुरुष को दिखाया गया है, इसलिए लोगों की दिलचस्पी इनमें ज्यादा हुई। वर्ना मुजफ्फरनगर का ही एक और मामला सामने आया है, जिसमें शादी के दो माह बाद ही पति ने पत्नी से दहेज की मांग शुरू कर दी और उसे ससुराल में आने से रोका गया, जिसके बाद पत्नी ने भी ससुराल के बाहर धरना दे दिया। दोनों संपन्न परिवारों के पढ़े-लिखे लोग हैं, पत्नी वकील है और पति आर्किटेक्ट। बहरहाल, इस घटना पर ज्यादा लोगों का ध्यान नहीं जाता अगर पत्नी धरने पर न बैठती। क्योंकि दहेज के नाम पर कितनी प्रताड़नाएं हुई हैं, कितने स्टोव नववधुओं पर फटे हैं, कितनी बहुओं को जलाकर मार दिया गया।

अवैध सिलिका खनन से बने गड्ढे में डूबने से भाई-बहन की मौत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र के पदार्वा मजरा कनभय में एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें दो बच्चों की अवैध सिलिका खनन से बने पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान 8 वर्षीय विकास और 10 वर्षीय कोमल पुत्र गणेश भारतीय के रूप में हुई है।

शुक्रवार दोपहर को दोनों बच्चे जंगल में खेलते समय गड्ढे में गिर गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें निकाला गया और तुरंत शंकरगढ़ स्थित अस्पताल भेजा गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दर्दनाक हादसे पर बच्चों के पिता गणेश भारतीय का कहना है कि अवैध सिलिका खनन से बनी पुरानी खदान ने उनके मासूम बच्चों की जान ले ली। यह घटना हमारे लिए बहुत बड़ी त्रासदी है, और अब हम चाहते हैं कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई हो ताकि आगे किसी अन्य परिवार को ऐसी दुःखद घटना का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों का कहना है कि

खदान में डूबने के बाद मृत बच्चे व रोते बिलखते परिजन

इलाके में लंबे समय से अवैध सिलिका खनन हो रहा था, और खनन से बने गड्ढे में पानी भरने के कारण यह हादसा हुआ। बच्चों की मां बिट्टी देवी का रो-रो कर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही नायब तहसीलदार मऊ और हलके के लेखपाल मौके पर पहुंचे। परिजनों ने दोनों बच्चों का अंतिम संस्कार कर दिया है। मौके पर पुलिस और तहसीलदार ने जांच शुरू कर दी है।

संविधान नहीं, मनुवादी मानसिकता से चल रही भाजपा : समरथ पाल

- भाजपा पर निशाना, 2027 का बिगुल
- जिलाध्यक्ष ने गिनाए सपा के विकास कार्य

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश एवं प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के आह्वान पर पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) चर्चा कार्यक्रम में विधानसभा 236 के पहाड़ी ब्लॉक के खरसेंडा गांव में सभा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव समरथ पाल शामिल रहे। सभा की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष राकेश प्रजापति ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव ने किया।

जिलाध्यक्ष शिव शंकर सिंह यादव ने सपा सरकार के कार्यों को गिनाते हुए कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने विकास के नए आयाम छुए थे। उनकी सरकार में सड़कों, पुलों, बस स्टैंड, स्टेडियम, मंडियों व अन्य बुनियादी सुविधाओं का निर्माण हुआ था। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते 8

पीडीए चर्चा में शामिल सपाई

वर्षों में सिर्फ झूठे वादे और खोखली योजनाएं ही देखने को मिली हैं।

प्रदेश सचिव समरथ पाल ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान की जगह नागपुरिया मानसिकता से देश को चला रही है। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। दलित सांसद रामजी लाल सुमन के घर पर हुए हमले को लेकर कहा कि सरकार प्रायोजित गुंडागर्दी चरम पर है। आगे कहा कि देश में बेरोजगारी विकराल रूप ले चुकी है, लेकिन सरकार जनता को मुद्दों से भटकाने में लगी है। दावा किया कि 2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी 37 सीटें जीतकर तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी व 2027 विधानसभा चुनाव में सपा सरकार बनेगी।

कार्यक्रम में सभा में सदर विधायक अनिल प्रधान, पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल, लोहिया वाहिनी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ निर्भय सिंह पटेल, बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मानसिंह पटेल, पंकज पटेल, धनंजय चंदेला, सूरज सिंह पटेल, कोषाध्यक्ष राजा यादव, जिला उपाध्यक्ष मो गुलाब खान, युवजन सभा अध्यक्ष अजय यादव, लोहिया वाहिनी अध्यक्ष अमर पटेल, महिला सभा अध्यक्ष श्रीमती रमा यादव, नगर अध्यक्ष कृतकेश्वर मिश्रा, शिक्षक सभा अध्यक्ष रामनरेश वर्मा, समेत अन्य मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

गैंगस्टर एक्ट मे दो माफियाओ को हुई कठोर कारावास की सजा और जुर्माना

बाँदा। विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह ने बताया कि जनपद के थाना गिरवां के प्रभारी निरीक्षक नंदराम प्रजापति ने 13 अप्रैल 2023 को प्राथमिकी दर्ज कराई कि गजोधर प्रजापति उर्फ जागेंद्र पुत्र श्यामलाल निवासी ग्राम मोहनपुरवा थाना मटौंध जनपद बांदा व अशोक वर्मा पुत्र गंगाराम निवासी रुपनगर थाना चरखारी जनपद महोबा का एक संगठित गिरोह हैं जिनके विरुद्ध थाना मटौंध में मु0अ0सं0 0077/2023 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियोजन विभाग से समन्वय करके समयबद्ध रूप से साक्षियों का साक्ष्य कराकर प्रभावी पैरवी किए जाने के फलस्वरूप अपर सत्र विशेष न्यायाधीश एडीजे पंचम गैंगस्टर कोर्ट द्वारा अभियुक्त को 02 वर्ष 03 माह के कठोर कारावास एवं 6000 /रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। गैंगस्टर की विवेचना निरीक्षक अनूप कुमार दुबे द्वारा संपादित की गई थी। जिस पर न्यायालय में प्रभावी पैरवी करके पैरोकार विजय कुमार कोर्ट मोहर्रिर रूबी पाल व अमित राजपूत विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह के द्वारा कड़ी मेहनत करने के बाद अभियुक्त को सजा दिलायी गई । इनका एक संगठित गिरोह हैं जिसका गैंग लीडर गजोधर उर्फ जागेंद्र हैं तथा अशोक वर्मा सक्रिय सदस्य हैं यह गैंग अपने और अपने साथियों के साथ मिलकर आर्थिक भौतिक एवं दुनियावी लाभ के लिए अवैध असलहा रखना व अपने गैंग के शौक पूरे करने के लिए चोरी कर लूट, राहजनी,अवैध रूप से शराब बेचना,जैसे अपराध कारित कर अवैध धन अर्जित करता है। गैंग लीडर गजोधर उर्फ जागेंद्र के ऊपर अन्य 08 से ज्यादा मुकदमे गंभीर धाराओं में दर्ज है यह सभी बहुत ही दुर्दांत और बहुत ही शातिर किस्म के अपराधी हैं। विशेष लोक अभियोजक गैंगस्टर एक्ट सौरभ सिंह ने यह बताया की यह गैंग चोरी,राहजनी, असलहों के बल पर लूट करने जैसे गंभीर अन्य अपराधो को कारित करने के अभ्यस्त अपराधी है जिनके आधार पर इन दोनों अभियुक्तों पर गैंगस्टर की कार्यवाही की गई। यह दोनो बहुत ही दबंग और शातिर किस्म के अपराधी हैं। ये सभी गैंग बनाकर अपराध को अंजाम देते हैं । इनके आतंक से आसपास के जनपद और गैर जनपदों में दहशत फैली हुई हैं। जिसके फलस्वरूप और भय आतंक के कारण इस गैंग के खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज कराने और गवाही देने का साहस नहीं कर पाता हैं।मुकदमे के वादी द्वारा सभी अभियुक्तों का गैंग चार्ट बनाकर जिलाधिकारी से अनुमोदित करा कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले की सुनवाई के दौरान 01/03/2025 को अभियुक्तों का आरोप बनाया गया। अभियुक्त गजोधर उर्फ जागेंद्र की पत्रावली को पृथक कर मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से 1 गवाह पेश किया गया। पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्य के अवलोकन के बाद अपर सत्र विशेष न्यायाधीश गैंगस्टर एक्ट गुणेंद् प्रकाश ने अपने आदेश में शातिर अपराधी गजोधर उर्फ जागेंद्र और अशोक वर्मा को दोषी पाते हुए 02 वर्ष 03 माह के कठोर कारावास और 6000/ रुपए अर्थदंड से दंडित किया।

के.सी.एन.आई.टी. प्राइवेट आई.टी.आई. में नवाचार और तकनीक का उत्सव

बांदा। के.सी.एन.आई.टी. प्राइवेट आई.टी.आई. में एक दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ के.सी.एन.आई.टी. ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स के निदेशक, विद्यावती निगम मेमोरियल पब्लिक स्कूल के निदेशक, मैनेजर स्टूडेंट वेलफेयर एवं के.सी.एन.आई.टी. प्राइवेट आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। प्रदर्शनी में इलेक्ट्रीशियन एवं फिटर ट्रेड के प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने नवीनतम तकनीकी प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। इलेक्ट्रीशियन वर्ग में रोड एक्सीडेंट सेफ्टी, क्लैप बेस्ड स्विचिंग, ट्रैफिक अलर्ट सिस्टम, एलईडी लाइट झूमर विथ ब्लूटूथ साउंड, डोर अलार्म, रेन डिटेक्टर, इलेक्ट्रिक बोट, अर्थक्वेक डिटेक्टर आदि प्रोजेक्ट्स प्रदर्शित किए गए। वहीं, फिटर ट्रेड में स्क्रॉल मशीन, लेटर स्टैंड, बर्ड फ्लावर स्टैंड, पाइप वाइस, आई लव आईटीआई लोगो, रॉकेट मॉडल एवं बहुउद्देशीय स्टैंड आदि आकर्षण का केंद्र रहे। विजेताओं की घोषणा- इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में द्वितीय वर्ष के छात्रों के "एलईडी लाइट झूमर विथ ब्लूटूथ साउंड" प्रोजेक्ट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रथम वर्ष के छात्राओं के "रोड एक्सीडेंट सेफ्टी" एवं "ट्रैफिक अलर्ट सिस्टम" प्रोजेक्ट्स ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, फिटर ट्रेड में द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के "स्क्रॉल मशीन" प्रोजेक्ट को प्रथम स्थान मिला, जबकि "पाइप वाइस" एवं "फुट ऑपरेटेड वाटर लिफ्ट पंप" प्रोजेक्ट्स को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मुख्य निर्णायक मंडल में डायरेक्टर विद्यावती निगम मेमोरियल पब्लिक स्कूल, अध्यापक एस.एन. पाठक, शैलेश कुमार कुशवाहा, शलिल कुमार गुप्ता, अभिषेक द्विवेदी आदि सम्मिलित रहे। निर्णायकों ने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके प्रोजेक्ट्स को इंडस्ट्री की माँग एवं दैनिक जीवन के लिए अधिक उपयोगी बनाने पर बल दिया।

आचार्य को सम्मानित करते भाजपाई

भाजपाइयों ने आयुष ग्राम ट्रस्ट कें आचार्य को किया सम्मानित

चित्रकूट। आयुष ग्राम ट्रस्ट में एक अप्रैल को भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवशंकर सिंह बाबू, रामकिशोर पांडेय, और युवा नेता भारतेन्दु गौतम ने आचार्य डॉ मदन गोपाल वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। आचार्य को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय गुरु के रूप में प्रतिष्ठित होने पर भाजपा नेताओं ने पुष्पमाला और अंगवस्त्र अर्पित कर सम्मानित किया। इस मौके पर आचार्य ने अपने योगदान पर चर्चा की और भाजपा नेताओं ने उनका आशीर्वाद लिया। यह कार्यक्रम आयुष क्षेत्र में आचार्य के योगदान की सराहना करने का एक ऐतिहासिक पल था, जिसमें ट्रस्ट और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने गर्व महसूस किया।

प्राथमिक विद्यालय चाचोखर में स्कूल चलो अभियान का आगाज

- मऊ ब्लॉक बना शिक्षा का मॉडल

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। शिक्षा का दीप जलाने और बच्चों को उज्ज्वल भविष्य देने को प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय चाचोखर में स्कूल चलो अभियान में वार्षिकोत्सव, प्रवेशोत्सव एवं अभिभावक संगोष्ठी की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) कृष्ण दत्त पांडेय रहे, जिन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें वितरित कीं। विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश पांडेय एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आलोक गर्ग शामिल हुए। साथ ही, जिला कोषाध्यक्ष हरिशंकर त्रिपाठी एवं ग्राम प्रधान कोटवा माफी प्रभात पांडेय विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में

कार्यक्रम में संबोधन करते मुख्य अतिथि बीईओ

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। बच्चों की खुशी देखते ही बन रही थी, जब उन्हें स्कूल बैग व किताबें दी गईं। बीईओ ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं होती, यह बच्चों के चरित्र निर्माण व आत्मनिर्भरता का आधार भी होती है। आगे बताया कि ब्लॉक मऊ ने डिजिटल उपस्थिति व छात्र उपस्थिति में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, जो यहां के शिक्षकों की मेहनत का प्रमाण है। इस मौके पर प्रधानाध्यापक सुनील कुमार, सहयोगी शिक्षक सुनील प्रताप सिंह, संजय बाबू, प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक रंजीत सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक मऊ के अध्यक्ष वीरभान सिंह, ब्लॉक मंत्री शारतेंदु शुक्ला, ब्लॉक उपाध्यक्ष अखिलेश मिश्रा, ब्लॉक प्रवक्ता अजय सिंह समेत अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन संकल्प पांडेय (जिला प्रवक्ता, प्राथमिक विद्यालय चाचोखर) ने किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिला किसान का शव, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया

चित्रकूट। कौशाम्बी जनपद के कोखराज इलाके के बिसारा के किसान नरेश रैदास का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे ट्रैक पर पाया गया। मृतक किसान कल सुबह अपनी जमीन के कर्ज के पैसे लेने के लिए घर से निकला था, लेकिन कुछ घंटों बाद उसका शव सीतापुर चौकी क्षेत्र के रेलवे आउटर के पास मिला। परिजनों ने शव मिलने के बाद हत्या का आरोप लगाया है और दावा किया है कि किसान की हत्या कर उसे रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। इस घटना पर पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी कि शव का पोस्टमार्टम करवा लिया गया है और परिजनों को बुलाकर आवश्यक जांच की गई है। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और सभी विधिक कार्रवाई की जाएगी। अब यह देखना बाकी है कि पुलिस इस मामले की जांच में क्या नया खुलासा करती है।

दिल्ली सीएम के पति मनीष गुप्ता ने किया चित्रकूट दर्शन

- मंदाकिनी स्नान व कामतानाथ के दर्शन
- रामघाट पर धार्मिक व व्यापारिक सम्मान

चित्रकूट। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के पति मनीष गुप्ता का चित्रकूट में भव्य स्वागत हुआ। व्यापारी नेता व राष्ट्रीय महामंत्री संगठन शानू गुप्ता ने मनीष गुप्ता व उनके साथ आए भाजपा नेता बलराम गुप्ता, सचिन जैन समेत अन्य परिवारजनों और स्वयंसेवकों का रेलवे स्टेशन पर जोरदार स्वागत किया।

मनीष गुप्ता ने पहले मंदाकिनी नदी में पवित्र स्नान किया और फिर कामतानाथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान आरोग्यधाम में दीनदयाल शोध संस्थान के अभय महाजन के साथ नाना जी के प्रकल्पों पर चर्चा करते

मनीष गुप्ता का स्वागत करते शानू गुप्ता

हुए रामभद्राचार्य का आशीर्वाद लिया। इसके बाद रामदर्शन, स्फटिक शिला, पंचवटी धार्मिक स्थलों का दौरा किया और रामघाट पर मंदाकिनी पूजन किया। कार्यक्रम में शानू गुप्ता ने मनीष गुप्ता और उनकी टीम को सम्मानित किया, उन्हें पटका पहनाकर और वैजंती माला से नवाजा। व्यापारियों के साथ संवाद करते हुए, मनीष गुप्ता ने चित्रकूट को एक प्रमुख धार्मिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। चित्रकूट यात्रा के बाद, मनीष गुप्ता ने वाराणसी व अयोध्या के लिए प्रस्थान किया।

वक्फ बिल के पास होने को पूजा पाठ करते संत

वक्फ बिल संशोधन की कामना को संतों ने किया विशेष पूजा अर्चना

चित्रकूट। जिले में संतों ने हाल ही में संसद में पेश वक्फ बोर्ड बिल के पास होने की कामना के लिए विशेष पूजा अर्चना और हवन यज्ञ का आयोजन किया। संतों का मानना है कि इस बिल में संशोधन की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि वक्फ बोर्ड का दुरुपयोग लगातार बढ़ रहा है। कहा कि वक्फ बोर्ड अपने अधिकारों का गलत इस्तेमाल कर धर्मस्थलों और यहां तक कि कुंभ मेला जैसे पवित्र स्थानों पर भी अपना दावा ठोक रहा है। संतों ने चिंता जताते हुए कहा कि यह बोर्ड गरीब मुसलमानों की जमीनों को भी हड़पने से बाज नहीं आ रहा है, जो सामाजिक और धार्मिक सौहार्द्र के लिए खतरे की बात है। संतों ने भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि इस संशोधन बिल को पारित किया जाए, ताकि वक्फ बोर्ड का दुरुपयोग रोका जा सके और कानून में मूलभूत बदलाव किए जाएं, जिससे भूमि विवादों पर नियंत्रण पाया जा सके।

ज्योतिबा फूले की तस्वीर में कराएं माल्यार्पण : सदर विधायक

- स्कूल में नव सृजित कक्ष का उद्घाटन
- टॉपर बच्चों को पुरस्कार वितरण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के सीतापुर में गुरुवार को यार्डलैंड इंटरनेशनल स्कूल में एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नव सृजित अभिभावक कक्ष का उद्घाटन व टॉपर बच्चों को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक अनिल प्रधान रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में शिक्षक विधायक प्रतिनिधि विवेक श्रीवास्तव, समाचार संपादक भानू प्रताप, व पूर्व प्रवक्ता प्रताप नारायण श्रीवास्तव शामिल रहे।

कार्यक्रम की खास बात यह थी कि नव सृजित कक्ष का उद्घाटन सभी

स्कूल में बच्चों का उत्साहवर्धन करते विधायक

टॉपर बच्चों ने किया। सदर विधायक ने इस पहल की सराहना करते हुए स्कूल प्रबंधन से अनुरोध किया कि बच्चों को हमारे महान महापुरुषों के योगदान से परिचित कराने के लिए ज्योतिबा फूले की तस्वीर में भी माल्यार्पण किया जाए, ताकि बच्चों को समान शिक्षा के लिए किए गए संघर्ष का एहसास हो। कार्यक्रम का संचालन अवनीश श्रीवास्तव ने किया, और अध्यक्षता स्कूल के प्रबंधक विजय निगम ने की। विजय निगम ने बताया कि स्कूल का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचारों को अपनाना है। कार्यक्रम मे प्रिंसिपल शालिनी पांडे, रवि प्रकाश श्रीवास्तव (मैनेजर), शिक्षक विनय, विकास, दुर्गा, प्रीति, अनु, प्रिया, ललिता, अभिषेक समेत अन्य मौजूद रहे।

चोरी की मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

बाँदा। थाना बिसण्डा पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल चोरी करने वाले वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है । अभियुक्त के कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद गज गुरुवार को थाना बिसण्डा पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल चोरी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है । गौरतलब हो कि थाना बिसण्डा क्षेत्र के ग्राम कोनी के रहने वाले जयकरन द्वारा दिनांक 09.मार्च को थाना बिसण्डा पर अपने मोटरसाइकिल के दिनांक 08.मार्च को कस्बा बिसण्डा से चोरी हो जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया था जिसके सम्बन्ध में थाना बिसण्डा पर अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे । इसी क्रम में आज थाना बिसण्डा पुलिस द्वारा सुरागरसी लगाकर मुखबिर की सूचना पर अतर्रा रोड हाइवे पवई सर्विस रोड से पतराखन पुत्र चन्द्रपाल निवासी तकिया पुरवा कस्बा थाना विसँडा को गिरफ्तार कर लिया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी की हुयी मोटरसाइकिल बरामद हुयी है आरोपी को न्यायिक हिरासत मे भेजा गया ।

विधायक ने किया अमलीकौर पाइप पेयजल योजना का निरीक्षण

बाँदा। बबेरू जल जीवन मिशन द्वारा बबेरू विधानसभा के जलालपुर गांव में 950 करोड़ की लागत से निर्मित अमलीकौर ग्राम समूह पेयजल योजना का क्षेत्रीय सपा विधायक विशम्भर सिंह यादव के द्वारा सभी अधिकारियों की मौजूदगी में निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खामियां मिलने पर नाराज भी हुए, विधायक ने कहा कि आजादी के 75 वर्षों में जो ग्रामीण सड़के बनाई गई थी, सब इस जल जींवन योजना ने ध्वस्त कर दिया है। जगह जगह फालतू पानी बह रहा है, टोटियां टूटी पड़ी है, बहुत से गावो में पाइप लाइन तो पड़ गयी है, लेकिन पानी नही आ रहा, विधायक विशंभर सिंह यादव ने एनसीसी कंपनी के प्लानिग मैनेजर प्रोजेक्ट मैनेजर को फटकार लगाते हुए कहा कि जल्द से जल्द सभी खामियों को ठीक कराए इस योजना में बबेरु विधानसभा के बबेरु ब्लाक के 49 गांवों को घर घर जल देने की योजना है। इस दौरान कम्पनी के प्लानिंग मैनेजर अमरनाथ शुक्ला प्रोजेक्ट मैनेजर रामचन्द्र रेड्डी, सहायक अभियंता जल निगम तेजस्व बुधौलिया, अवर अभियंता जल निगम रितेश चौरसिया, छेदीलाल गुप्ता, पुत्तन सिंह, लाखन निषाद, अखिलेश पाल, पुष्पराज यादव, अभिषेक गौतम, शुशील कुमार, विमल सिंह, शन्नतानु पांडेय, शिवशंकर पांडेय अनिरुद्ध गुप्ता, आदि लोग मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी के द्वारा अतर्रा नगर में स्मार्ट मीटर लगाने की हुई शुरूआत

बांदा। अतर्रा बुधवार को नगर अतर्रा में विद्युत उपखंड अधिकारी विमलेश कुमार के द्वारा अतर्रा नगर में स्मार्ट मीटर लगाने की शुरूआत की गई जिसमें प्रथम स्मार्ट मीटर पावर हाउस के सामने डॉक्टर नितिन शिवहरे के यहां से लगना प्रारंभ हुआ स्मार्ट मीटर लगाने के दौरान उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण विमलेश कुमार सिंह उपखंड अवर अभियंता अजय कनौजिया ने प्रथम स्मार्ट मीटर लगवाने वाले डॉक्टर नितिन शिवहरे को फूल माला से स्वागत किया और आगे उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण ने बताया कि मीटर में कितनी रीडिंग है उसको उपभौक्ता अपने स्मार्टफोन में ऐप के माध्यम से देख सकता है और अगर उपभोक्ता घर के बाहर है तो स्मार्ट मीटर को ऐप के माध्यम से बंद कर सकता है जिसे विद्युत सप्लाई बंद हो जाएगी। स्मार्ट मीटर पूरी तरह से निशुल्क है एवं उसका कोई नहीं देना होगा।

जिलाधिकारी ने हीटवेव से बचाव हेतु जारी की एडवाइजरी

- अधिकारियों को दिये आवश्यक निर्देश

अखंड भारत संदेश

बाँदा। जिलाधिकारी ने महर्षि वामदेव सभागार में हीटवेव (लू प्रकोप) से होने वाली क्षतियों को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में जागरूकता एवं तैयारियों की जिलाधिकारी जे० रीभा जी की उपस्थिति में समीक्षा ली गई। समीक्षा के दौरान तैयारियों को बेहतर उपयोग हेतु प्रतिभाग कर रहे जनपद के प्रत्येक विभागों को हीटवेव के प्रति हर समय तैयार रहने के निर्देश दिए गए। हीटवेव के प्रति जन जागरूकता प्रसारित करने हेतु आदेशित किया गया।

आज मीटिंग में जनपद के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजेश कुमार वर्मा चिकित्सा विभाग

समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते जिलाधिकारी

के अधिकारियों को हीट वेव्स बचाव हेतु महिला एवं पुरुष वार्ड बनाए जाने, वायरस गोल की उपलब्धता एवं अन्य चिकित्सीय व्यवस्था रखने के निर्देश दिए ' नगर पालिका रामनगर पंचायत में पेयजल व्यवस्था वाटर कूलर तथा हिट व्यू के स्थल चिन्हित करने तथा श्रम विभाग के अधिकारियों को श्रमिकों हेतु शस्त्र प्रशिक्षण एवं बजट की व्यवस्था शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समस्याएं संस्थानों में हीट वेव से बचाव हेतु जागरूकता पेयजल एवं छाया की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्वाचित आपूर्ति सुनिश्चित कारण जाने तथा परिवहन विभाग के अधिकारियों को बस स्टैंड पर पेयजल छाया वाद की व्यवस्था रखने के संबंध में निर्देशित किया गया' लू एवं गर्म हवा हवा से बचाव हेतु फुल कपड़े पहने तथा हल्का एवं ताजा भोजन ग्रहण करने एवं बासी भोजन व दूषित खाद्य पदार्थ का सेवन नहीं करें 'ख्य अग्निशमन अधिकारी मुकेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज सिंह, जिला आपदा विशेषज्ञ प्रभाकर सिंह आदि जनपद के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति रहीं।जनपद में सूचना विभाग को समय समय पर डिजिटल प्रिंट एवं शोशलमीडिया के माध्यम से जागरूक करने के लिए निर्देशित किया गया। शिक्षा विभाग को स्कूलों के समय में परिवर्तन तथा स्कूलों में छाया एवं पेयजल व्यवस्था दुरस्त करने के लिए निर्देशित किया गया वही पंचायती राज विभाग को मनरेगा में अवधि में बदलाव करने के कहा गया। तथा नगर पंचायतों में प्याऊ एवं छाया ब्यवस्था दुरूस्त किया जाने हेतु सचेत किया गया वही स्वास्थ्य विभाग को भी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में ओ आर एस पाउडर ग्लूकोज आदि सामग्री उपलब्ध कराने हेतु कहा गया।

ब्रिटेन जाने के लिए यूरोपीय लोगों को ऑनलाइन परमिट लेना होगा

ब्रिटेन

ब्रिटेन जाने वाले यूरोपीय यात्रियों को अब एक ऑनलाइन एंट्री परमिट लेनी होगी. ब्रिटेन में प्रवेश का यह नया नियम बुधवार 2 अप्रैल से लागू हो गया है.

ब्रिटेन की सरकार ने लंबे समय से चले आ रहे यात्रा नियमों में बड़ा बदलाव किया है. यूरोप के यात्रियों को अब एक डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक ट्रैविल ऑथराइजेशन (ईटीए) की जरूरत होगी. ब्रिटिश अधिकारियों का कहना है कि देश में प्रवेश की प्रक्रिया को बेहतर करने और सुरक्षा बढ़ाने के लिहाज से नए नियम लागू किए जा रहे हैं.

अमेरिका और कई देशों के लिए पहले ही लागू अधिकारियों ने एक बफर पीरियड के रहने की भी बात कही है जो कई महीनों तक जारी रह सकती है. इसका मतलब है कि पहले की तरह ट्रेन और विमान से ब्रिटेन में प्रवेश करने की प्रक्रिया अभी कुछ समय तक के लिए जारी रहेगी. इस पुरानी प्रक्रिया में यूरोपीय लोगों के

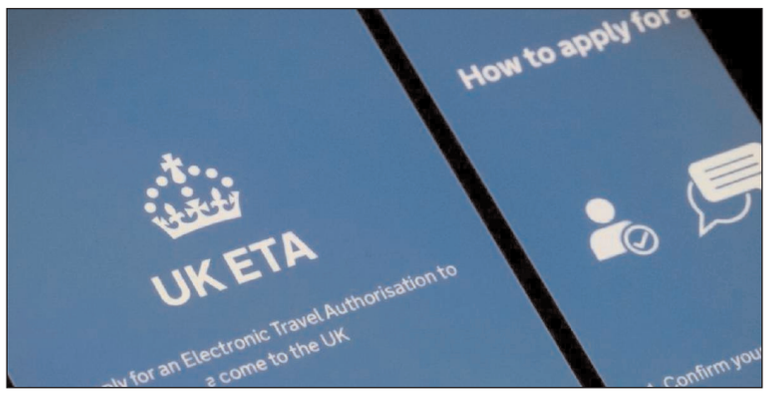

ब्रिटेन पहुंचने के बाद पासपोर्ट को चेक किया जाता है.

यह परमिट अगले कुछ दिनों तक 10 पाउंड की रकम दे कर ऑनलाइन खरीदी जा सकता है. हालांकि 9 अप्रैल के बाद इसके लिए 16 पाउंड की रकम चुकानी होगी. ईटीए का नियम पहले ही अमेरिकी, कनाडाई और ब्रिटेन में दूसरे वीजा मुक्त देशों के यात्रियों के लिए लागू किया जा चुका है. ब्रिटेन, यूरोपीय संघ से 2020 में ही बाहर हो गया था.

ब्रिटेन के सीमा बल के प्रमुख फिल डगलस का कहना है कि नए नियम एक व्यापक योजना का हिस्सा है जिसके तहत दुनिया भर के लोगों के लिए ईटीए जरूरी बनाया जा रहा है. उन्होंने यह भी कहा, "यह योजना सीमा सुरक्षा के उपायों के तहत जरूरी है." उन्होंने उम्मीद जताई है कि बुधवार से शुरू हो रहे इस नियम की वजह से लोगों की आवाजाही में कोई समस्या खड़ी नहीं होगी.

यात्रियों का फायदा

अधिकारियों का कहना है कि परमिट की वजह से प्रवेश जल्दी हो सकेगा और यात्री के आप्रवासन इतिहास और आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में जानकारी को चेक करना संभव होगा. डगलस का यह भी कहना है, "इससे दोनों को फायदा ऐसे होगा कि हम कॉन्टैक्टलेस बॉर्डर बना रहे हैं, तो अगर उन्हें प्रवेश की मंजूरी मिल गई है तो वे हमारे नए ई-गेट का इस्तेमाल कर सकते हैं और वे ज्यादा जल्दी सीमा पार कर जाएंगे."

इस परमिट के साथ यूरोपीय लोग छह महीने तक ब्रिटेन में रह सकते हैं. यह आवेदन करने वाले यात्री के पासपोर्ट से डिजिटल तरीके से जुड़ा रहता है।

चीन में पंजीकृत अंगदान स्वयंसेवकों की कुल संख्या 70.5 लाख से अधिक

बीजिंग। "**जीवन**, आशा - 2025 राष्ट्रीय मानव अंग दान स्मरणोत्सव और संवर्धन समारोह" चीन के शेनयांग के पश्चिमी उपनगरों में वोलोंग कब्रिस्तान और चीन चिकित्सा विश्वविद्यालय के हेफिंग परिसर के सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम से पता चला कि अब तक चीन में स्वैच्छिक अंगदान पंजीकरण करने वाले लोगों की कुल संख्या 70.5 लाख से अधिक हो गई है। नागरिकों की मृत्यु के बाद 58 हजार से अधिक अंगदान, 63 हजार से अधिक शरीरदान और 1.1 लाख से अधिक कॉर्निया दान हुआ है, जिससे अंग विफलता वाले 1.7 लाख से अधिक रोगियों की जान बचाई गई है और 1 लाख से अधिक लोगों को रोशनी मिली है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, देश भर में मानव अंग दाताओं के लिए 280 से अधिक स्मारक स्थल बनाए गए हैं। हर साल छिंगमिंग महोत्सव के दौरान, स्थानीय रेड क्रॉस सोसाइटियां एक सामाजिक माहौल बनाने के लिए विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन करती हैं, जिसमें दान को गौरवशाली माना जाता है और अधिक लोगों से इस महान प्रेम और समर्पण के कार्य में भाग लेने का आह्वान किया जाता है।

हान चेंग ने रॉयल फिलिप्स के सीईओ रॉय जैकब्स से मुलाकात की

बीजिंग। चीनी उपराष्ट्रपति हान चेंग ने चीन की राजधानी पेइचिंग में नीदरलैंड की रॉयल फिलिप्स के सीईओ रॉय जैकब्स से मुलाकात की। मुलाकात में हान चेंग ने कहा कि वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय विकास पर्यावरण जटिल एवं गहन परिवर्तनों से गुजर रहा है, तथा अनिश्चितता एवं अस्थिरता बढ़ रही है। चीन और नीदरलैंड दोनों खुली अर्थव्यवस्थाएं हैं और आर्थिक वैश्वीकरण के समर्थक, प्रवर्तक और लाभार्थी हैं। चीन हमेशा से एक खुली विश्व अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहा है और उच्च स्तरीय खुलेपन के साथ चीन-नीदरलैंड और चीन-यूरोप आर्थिक और व्यापार सहयोग को बढ़ावा देना जारी रखेगा, जिससे बहुराष्ट्रीय निगमों के लिए विकास के नए अवसर पैदा होंगे। हम रॉयल फिलिप्स द्वारा चीन में अपने अनुसंधान एवं विकास निवेश का विस्तार जारी रखने तथा चीन-यूरोपीय आर्थिक एवं व्यापार सहयोग के स्वस्थ विकास को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाने का स्वागत करते हैं। जैकब्स ने कहा कि पिछले सप्ताह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग का महत्वपूर्ण भाषण बहुत उत्साहवर्धक है।

रूसी राष्ट्रपति ने वांग यी से भेंट की

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भेंट की। पुतिन ने कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ संपन्न समानताओं का प्रभावी कार्यान्वयन चल रहा है। रूस-चीन संबंध का उच्च स्तरीय विकास हो रहा है और विभिन्न क्षेत्रों का व्यावहारिक सहयोग निरंतर गहरा हो रहा है। रूस-चीन सांस्कृतिक वर्ष सुचारू रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसको सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और दोनों देशों की मित्रता की जन-इच्छा का आधार मजबूत हुआ है। वर्तमान वर्ष रूस की महान देश-भक्त युद्ध विजय की 80वीं वर्षगांठ है। प्रतीक्षा है कि चीनी पक्ष रूस आकर स्मृति गतिविधि में भाग लेगा और एक साथ नाजी फासिस्ट और जापानी सैन्यवाद के मुकाबले की जीत मनाएगा। रूस की संबंधित तैयारियां जोरों पर हैं। रूस इस मौके पर रूस-चीन सर्वांगीण रणनीतिक समन्वय साझेदारी को नई मंजिल पर पहुंचाने को तैयार है। अस्थिर अंतर्राष्ट्रीय परिस्थिति के सामने रूस और चीन को विश्व को रणनीतिक समन्वय मजबूत करने का शक्तिशाली संकेत देना चाहिए। वांग यी ने कहा कि दोनों राष्ट्राध्यक्षों के रणनीतिक मार्गदर्शन और ख्याल से चीन-रूस संबंध परिपक्व, मजबूत और स्थिर हैं, जिसने दो बड़े देशों के अपने-अपने विकास व पुनरुत्थान को सुनिश्चित किया और महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय व क्षेत्रीय मामलों में समान हितों की सुरक्षा की। चीन-रूस सहयोग तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है। चीन-रूस मित्रता दूरगामी भविष्य के उन्मुख है।

वांग यी ने कहा कि 80 से अधिक सालों पहले चीन और रूस दोनों देशों की जनता ने अलग-अलग तौर पर एशिया और यूरोप के मुख्य युद्ध मैदान पर भारी संख्या में जान न्योछावर कर जापानी सैन्यवाद और नाजी फासिस्ट को पराजित कर मानव शांति कार्य के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया था। 80 साल के बाद अस्थिर विश्व में महत्वपूर्ण स्थिर शक्ति के नाते चीन और रूस को हाथों में हाथ मिलाकर दूसरे विश्व युद्ध की जीत की उपलब्धियों की सुरक्षा करना, युद्ध के बाद बनी अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र के केंद्रीय स्थान को बनाए रखना ।

और एक साथ वैश्विक बहुध्रुवीकरण तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लोकतांत्रिकरण को बढ़ाना चाहिए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की ह्न80वीं वर्षगांठह्न स्मृति गतिविधियों के कार्यक्रमों को सम्मिलित किया है। विश्वास है कि दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की आवाजाही फिर चीन-रूस संबंधों में नया अध्याय जोड़ेगी।

चीन खाद्य सुरक्षा की निगरानी मजबूत करेगा

बीजिंग। चीनी राष्ट्रीय बाजार विनियमन प्रशासन ने हाल में केंद्रीकृत भोजन करने वाली संस्थाओं में खाद्य सुरक्षा की प्रमुख जिम्मेदारी के कार्यान्वयन की निगरानी के बारे में नियम जारी किए, जो 15 अप्रैल को लागू होंगे।

इस नियम के अनुसार, स्कूल, बाल देखभाल संस्थान, नर्सिंग होम, अस्पताल और कार्यालय कैंटीन आदि केंद्रीकृत भोजन करने वाली संस्थाओं में खाद्य सुरक्षा प्राथमिकता है। इन संस्थाओं में खाद्य सुरक्षा की प्रमुख जिम्मेदारी के कार्यान्वयन की निगरानी और खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी प्रणाली में सुधार करने की जरूरत है। इसके साथ जोखिम की रोकथाम की क्षमता उन्नत की जानी चाहिए।

बताया जाता है कि नियम में केंद्रीकृत भोजन करने वाली संस्थाओं, कार्यालय कैंटीन, अनुबंध करने वाले उद्यम और भोजन प्रदान करने वाली संस्थाओं में जिम्मेदारी के आवंटन, जोखिम की रोकथाम, संबंधित प्रबंधन कर्मचारी की मांग और कानूनी दायित्व आदि को लेकर नियम बनाए गए हैं। नियम के अनुसार, स्कूल और किंडरगार्टन में खाद्य सुरक्षा निदेशक की नियुक्ति होनी चाहिए। कार्यालय कैंटीन, अनुबंध करने वाले उद्यम और भोजन प्रदान करने वाली संस्थाओं को दैनिक नियंत्रण, साप्ताहिक निरीक्षण और मासिक शेड्यूलिंग की कार्य व्यवस्था का कार्यान्वयन करना होगा। अगर स्कूल और किंडरगार्टन नियम का उल्लंघन करते हुए पाए गए, तो कड़ी सजा दी जाएगी।

विरोध-प्रदर्शनों के बीच जर्मनी में लाया गया परमाणु कचरा

जर्मनी

सात कंटेनरों में भरा रेडियोधर्मी परमाणु कचरा उत्तरी जर्मनी के एक बंदरगाह से बवेरिया राज्य में लाया जा रहा है. परमाणु ऊर्जा विरोधी कई समूहों ने प्रशासन के इन कदमों का विरोध किया है.

अत्यधिक रेडियोधर्मी परमाणु कचरे से भरे सात कंटेनर 1 अप्रैल को उत्तरी जर्मनी के नॉर्दनहाम बंदरगाह पर एक विशाल जहाज से उतारे गए. यह परमाणु कचरा उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के सेलाफील्ड से दक्षिणी जर्मनी के बवेरिया राज्य में स्थित नीडरऐकबाख के अस्थायी भंडारण स्थल तक ले जाया जा रहा है.

कंटेनरों को बंदरगाह से भंडारण केंद्र तक रेल के जरिए ले जाया जाएगा. यह कचरा जर्मनी के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से निकाले गए ईंधन तत्वों के दोबारा शोधन के बाद बचा है. 13 फीट लंबे और 100 टन से अधिक वजनी कंटेनरों में से पहला, मंगलवार को एक बड़ी क्रेन के जरिए "पैसिफिक ग्रीब" ट्रांसपोर्ट जहाज से उतारा गया. इसके बाद विकिरण स्तर मापने की प्रक्रिया पूरी की गई ताकि सेलाफील्ड में लिए गए माप के साथ आंकड़ों का मिलान किया जा सके.

संवेदनशीलता और कानून-व्यवस्था के मद्देनजर नॉर्दनहाम बंदरगाह को सील कर दिया गया है और भारी हथियारों से लैस पुलिसकर्मी लगातार सुरक्षा में जुटे हैं. यहां परमाणु ऊर्जा विरोधी कई समूह विरोध-प्रदर्शन के

लिए जुटे थे.

विरोध की वजह प्रदर्शनकारी समूह आउसगेसट्राल्ट के हेल्गे बाउअर ने कहा, "हर (रेडियोधर्मी) कंटेनर बहुत बड़ा खतरा लेकर चलता है. इसलिए परमाणु कचरे को एक बार में ही स्थायी भंडारण स्थल तक ले जाया जाना चाहिए." आने वाले दिनों में इस कचरे को ले जाने वाली ट्रेन के संभावित मार्ग पर, जिसमें ब्रेमन और गोटिंगन शहर शामिल हैं, विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है. जर्मनी में परमाणु संयंत्र नहीं, तो कचरा कहां से आया?

जर्मनी ने 2003 से परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल चरणबद्ध तरीके से बंद करना शुरू किया था. 2011 में जापान की फुकुशिमा परमाणु आपदा के बाद इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया गया. जर्मनी के आखिरी बचे परमाणु ऊर्जा संयंत्र 2023 में बंद कर दिए गए थे.

लेकिन जर्मनी अभी भी अपने संयंत्रों से निकले परमाणु कचरे को वापस लेने के लिए बाध्य है. 2005 तक इस कचरे को नियमित रूप से सेलाफील्ड और फ्रांस के ला हेग री-प्रोसेसिंग केंद्रों में भेजा जाता था. प्रोसेस किए जर्मन परमाणु कचरे को वापस देश में लाने का अक्सर विरोध होता रहा है.

सोसाइटी फॉर न्यूक्लियर सर्विस (जीएनएस) के मुताबिक, 1995 और 2011 के बीच 100 से ज्यादा कैस्टर कंटेनर ला हेग से लोअर सैक्सनी राज्य के गोरलेबेन तक लाए गए. अंतिम चार कंटेनरों को 2024 में बाडेन-वुर्टेमबर्ग के फिलिप्सबुर्ग ले जाया गया था. इसके अलावा 2020 में सेलाफील्ड से हासे राज्य के बिबलिस तक छह कंटेनर लाए गए थे और अभी सात कंटेनर आने बाकी हैं. रेडियोधर्मी कचरे के सुरक्षित निपटारे का काम देखने वाली जर्मनी की संघीय एजेंसी (बीजीई) अभी भी 27,000 घन मीटर परमाणु कचरे को स्थायी रूप से जमीन के नीचे स्टोर करने के लिए उपयुक्त जगह की पहचान करने में जुटी है।

बांग्लादेश में हिंसा : बीएनपी कार्यकर्ता अपने नेता की मौत के विरोध में सड़क पर उतरे

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और इससे जुड़े संगठनों ने अपने नेता की मौत के विरोध में बुधवार को भोला-वेलुमिया सड़क को अवरुद्ध कर दिया।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, मृतक की पहचान जमालउद्दीन हाउलादर के रूप में हुई। वह वेलुमिया यूनियन के बीएनपी वार्ड अध्यक्ष थे। भोला जिले में भूमि विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में उनकी

मौत हुई।

यह घटना मंगलवार को हुई जब कुंजापट्टी गांव के मोहम्मद इब्राहिम और मोहम्मद आलम के नेतृत्व में दो प्रतिद्वंद्वी समूहों के बीच जमीन के स्वामित्व को लेकर टकराव हुआ।

तनाव बढ़ने पर, बीएनपी नेता बीच-बचाव करने के प्रयास में घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन उन पर जानलेवा हमला किया गया। बारिसल के एक निजी क्लिनिक में जमालउद्दीन को ले जाने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वेलुमिया यूनियन बीएनपी महासचिव मुहम्मद नूरुल इस्लाम ने बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक 'प्रोथोम अलो' को बताया कि जमालउद्दीन दोनों दलों के बीच झड़प को रोकने के लिए गए थे। लेकिन, इब्राहिम रारी के बेटे ने उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

स्थानीय लोगों, बीएनपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस घटना में निष्पक्ष सुनवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

भोला सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अबू शहादत मुहम्मद हचनैन परवेज ने कहा, "इस घटना में किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। अगर शिकायत मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेजा जाएगा।"

अगस्त 2024 में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद से बांग्लादेश हिंसा और विरोध प्रदर्शनों की चपेट में है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय आयातों पर 26 प्रतिशत कर लगाने की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को लगभग सभी आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। उन्होंने इस आदेश को अमेरिका के लिए आर्थिक स्वतंत्रता की घोषणा बताया है।

श्री ट्रम्प ने भारतीय आयातों पर 26 प्रतिशत कर लगाने की घोषणा की है। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार श्री ट्रम्प ने भारत के लिए 26 प्रतिशत की ह्यछूटह्न वाली पारस्परिक टैरिफ की घोषणा की। चीन पर अब 34 प्रतिशत टैरिफ लगेगा जबकि यूरोपीय संघ पर 20 प्रतिशत शुल्क

लगेगा। टैरिफ घोषणा के तुरंत बाद लागू हो गए। उन्होंने इस अवसर को ह्यमुक्ति दिवस बताया। यह घोषणा व्हाइट हाउस रोज गार्डन से भारतीय समयानुसार रात 1:30 बजे पर की गई और इस कार्यक्रम को व्हाइट हाउस के सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से लाइव स्ट्रीम किया गया।

आईसीसी का वारंट जारी, फिर भी हंगरी की यात्रा पर जा रहे इजरायली पीएम, नेतन्याहू को क्यों नहीं गिरफ्तारी का डर?

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गुरुवार को हंगरी की चार दिवसीय यात्रा पर आ रहे हैं। उनके खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध के आरोपों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) का गिरफ्तारी वारंट जारी है।

आईसीसी के संस्थापक सदस्य के रूप में, हंगरी सैद्धांतिक रूप से न्यायालय के वारंट के अधीन किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार करने और सौंपने के लिए बाध्य है।

हालांकि हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने नेतन्याहू को यात्रा का निमंत्रण देते समय स्पष्ट कर दिया था कि हंगरी इस फैसले का सम्मान नहीं करेगा।

नवंबर 2024 में जब नेतन्याहू और इजरायल

के पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए, तो ओर्बन ने आईसीसी को 'निर्लज्ज, निंदक और पूरी तरह से अस्वीकार्य' कहा। उन्होंने वादा किया कि नेतन्याहू की हंगरी की किसी भी यात्रा के दौरान, वह 'उनकी स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी देंगे।'

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की ओर से उन्हें और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट को गिरफ्तार करने के लिए वारंट जारी किए जाने के बाद से यह उनकी दूसरी विदेश यात्रा होगी। हालांकि होलोकॉस्ट स्मारक की योजनाबद्ध यात्रा के अलावा उनके कार्यक्रम का विवरण सीमित है।

नेतन्याहू ने फरवरी में अपने करीबी सहयोगी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए वाशिंगटन का दौरा किया था। न तो इजरायल और न ही संयुक्त राज्य अमेरिका आईसीसी के सदस्य हैं। वाशिंगटन का तर्क है कि आईसीसी का इस्तेमाल राजनीतिक रूप से प्रेरित अभियोगों के लिए किया जा सकता है।

7 अक्टूबर 2023 इजरायल में हमास के बड़े हमले के जवाब में यहूदी राष्ट्र ने फिलिस्तीनी ग्रुप के कब्जे वाली गाजा पट्टी में सैन्य अभियान शुरू किया था। हमास के हमले में करीब 1200 लोग मारे गए थे जबकि 250 से अधिक लोगों को बंधक बनाया गया था।

इजरायली सैन्य अभियान की वजह से 50,000 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और गाजा पट्टी तबाह हो गई। विश्व भर में इजरायली मिलिट्री एक्शन की निंदा हुई है और उस नरसंहार के भी आरोप लगे।

इजरायल ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया। उसका कहना है कि ये आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और यहूदी-विरोधी भावना से प्रेरित हैं।